दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 313

ग्वालियर, मंगलवार 02 अगस्त 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.


## स्पेशल कोर्ट ने संजय राउत को 4 अगस्त तक ईडी की कस्टडी में दिया

### -ईडी ने मांगी थी पूछताछ के लिए 8 दिन की हिरासत

**मुंबइ।** धन संशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत 4 अगस्त तक ईडी की कस्टडी में रहेंगे। ईडी ने संजय राउत को 8 दिनों के लिए रिमांड पर मांगा था, लेकिन विशेष अदालत ने 4 अगस्त तक के लिए रिमांड पर दिया है। संजय राउत के वकील अशोक मुंदरगी ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि संजय राउत दिल की बीमारियों के मरीज हैं। उनकी सर्जरी भी की गई थी। इसके साथ ही उनके वकील ने इससे जुड़े कागजात भी कोर्ट के समक्ष पेश किए। संजय राउत के वकील को उनसे मिलने की इजाजत दे दी गई है। संजय राउत के वकील ने इस बात की भी मांग की है कि उनसे देर रात तक पूछताछ नहीं की जानी चाहिए,

जिसके जवाब में ईडी ने कहा कि उनसे रात 10:00 बजे तक ही पूछताछ की जाएगी। इससे पहले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने संजय राउत के परिवार से मुलाताक की थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि संजय राउत पर गर्व है। उन्होंने कहा कि पुष्पा में एक डायलॉग है झुकेगा नहीं। असली शिवसैनिक जो झुकेगा नहीं वो संजय राउत हैं। जो कहते थे, वे झुकेंगे नहीं आज वे सब तरफ हैं। यह बाला साहेब द्वारा दिखाया गया निर्देश नहीं है। राउत ही सच्चे शिवसैनिक हैं। भाजपा पर आरोप लगाते हुए ठाकरे ने कहा कि हमारे खिलाफ बोलने वाले का सफाया करना होगा-ऐसी मानसिकता के साथ प्रतिशोध की राजनीति चल रही है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को दोपहर बाद शिवसेना के सांसद संजय राउत को विशेष अदालत के समक्ष पेश किया। रविवार देर रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई की एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले ईडी ने राउत के आवास पर करीब नौ घंटे तक छापेमारी की।

## खास खबर

### रुसी हमले में यूक्रेन के सबसे धनी कारोबारी वडातुर्स्की की पत्नी सहित हुई मौत

**कीव।** यूक्रेन के सबसे धनी कारोबारी में से एक ओलेक्सी वडातुर्स्की अपनी पत्नी के साथ मायकोलाइव शहर में हुई रूसी गोलीबारी में मारे गए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के अनुसार हमले में अनाज कारोबारी वडातुर्स्की और उनकी पत्नी रायसा की मौत हो गई हैं। वडातुर्स्की यूक्रेन की सबसे बड़ी अनाज उत्पादक और निर्यात कंपनी निबुलोन के संस्थापक थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि 74 साल के वडातुर्स्की और उनकी पत्नी रायसा की रात में उनके घर पर गिरी एक मिसाइल के कारण मौत हुई है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वडातुर्स्की की मौत को देश के लिए सबसे बड़ी क्षति बताया है। जेलेंस्की ने कहा कि कारोबारी की मौत मायकोलाइव और पूरे यूक्रेन के लिए एक बड़ी क्षति है। अपने करियर के 50 से अधिक वर्षों में ओलेक्सी वडातुर्स्की ने क्षेत्र के विकास और यूक्रेन के कृषि और जहाज निर्माण उद्योगों के विकास में एक अमूल्य योगदान दिया है। वहीं राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार ने कहा कि उनका मानना है कि रूस ने जानबूझकर व्यवसायी को निशाना बनाया था। पोडोलीक ने बताया कि मिसाइल सीधे व्यवसायी के बेडरूम में लगी थी। उनके मुताबिक यह हमला रूस के उच्च अधिकारियों द्वारा पहले से तय था। वडातुर्स्की ने अनाज के निर्यात के लिए कई भंडारण सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण किया था।

### पांच साल की बच्ची ने पीएम को लिखी चिट्ठी, पूछा- मोदीजी, मेरी पेंसिल-रबर और मैगी क्यों महंगी हुई?

**कन्नौज।** उप्र के कन्नौज जिले में रहने वाली पांच साल की एक बच्ची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महंगाई को लेकर पत्र लिखा है। बच्ची कक्षा एक में पढ़ती है। पिता ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी प्रेषित भी कर दी है। अभी कोई जवाब नहीं आया है। उधर, बच्ची के इसी पत्र को सोमवार को लोकसभा में महंगाई पर चर्चा के दौरान एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही बच्ची की चिट्ठी पढ़कर सुनाई। जानकारी के अनुसार बच्ची छिबरामऊ कस्बे में रहती है। उसने चिट्ठी में लिखा, +मेरा नाम कृति दुबे है। मैं कक्षा एक में पढ़ती हूं। मोदीजी, आपने बहुत अधिक महंगाई कर दी है, यहां तक कि मेरी पेंसिल और रबर (इरेजर) भी महंगी कर दी और मैगी के दाम भी बढ़ा दिए हैं। अब मेरी मां पेंसिल मांगने पर मारती है, मैं क्या करूं? बच्चे मेरी पेंसिल चोरी कर लेते हैं।'' मासूम बच्ची के गुस्से में आकर टूटी-फूटी भाषा में लिखा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल है। आवास-विकास कालोनी में रहने वाले बच्ची के पिता विशाल दुबे पेशे से वकील हैं। पिता का कहना है कियह पत्र मेरी बेटी के 'मन की बात' है। बेटी के लिखे हुए पत्र को जब पढ़ा तो उसके जज्बातों को प्रधानमंत्री तक पहुंचाने का निर्णय कर लिया। कृति के पिता विशाल दुबे डाक घर पहुंच कर बेटी की चिट्ठी मोदी के नाम से पोस्ट कर आए हैं।

### बस को ओवरटेक करने के चक्कर में नदी में गिरी कार, तीन लोगों की मौत

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के पत्तनमथिट्टा जिले में बस से आगे निकलने की कोशिश कर रही कार सड़क से फिसलकर एक छोटी नदी में गिर गई, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार चंडी मैथ्यू, उनकी पत्नी और बेटी नदी में बह गए। राज्य में लगातार हो रही बारिश के चलते कई नदियां उफान पर है। उन्होंने बताया कि हादसा रविवार शाम करीब सात बजे हुआ, जब एक बस से आगे निकलने की कोशिश कर रही कार बारिश के कारण गीली सड़क से फिसलकर एक छोटी नदी में गिर गई। जिले के अधिकारियों ने बताया कि बारिश से संबंधित एक अन्य घटना में पत्तनमथिट्टा जिले के अथिक्कायम गांव में पम्पा नदी में 60 वर्षीय एक व्यक्ति बह गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर कोट्टायम और एरणाकुलम जिलों में उत्खनन और खनन संबंधी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि कोट्टायम में, जिले के इल्लीक्कल इलवीझापूनचिरा पर्यटन केंद्र गए 25 लोग बारिश के कारण घर नहीं लौट सके और उन्हें फिलहाल पास के एक सरकारी स्कूल तथा आसपास के मकानों में ठहराया गया है। इस बीच, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख एवं सांसद के. सुधाकरन ने राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से राहत कार्यों में मदद के लिए आगे आने का आग्रह किया है। वहीं, राज्य के राजस्व मंत्री के. राजन ने कहा कि भारी बारिश के अलावा तेज हवाओं के कारण भी चिंता बढ़ गई है। भारी बारिश होने के कारण सोमवार को राज्य के कुछ हिस्सों में शैक्षणिक संस्थानों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

## शराब पीने की आदत से मजबूर सेना के जवान पर सरकार दिखाए रहम : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना के एक जवान की पेंशन रोकने के मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि? कारगिल युद्ध लड़ चुके भारतीय सेना के एक जवान पर केन्द्र सरकार उदारता दिखाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि? इस जवान के लिए केंद्र सरकार को बड़ा दिल दिखाना चाहिए। दरअसल, भारतीय सेना के एक जवान को शराब पीने की लत थी। उसे अनुशासनहीनता के लिए सेना से निष्कासित कर दिया गया और बाद में सेना के ही ट्रिब्यूनल ने उसे पेंशन देने का आदेश दे दिया था। गौरतलब है कि? अनुशासनहीनता के दोषी पाए गए जवानों को पेंशन नहीं मिलती, लेकिन ट्रिब्यूनल ने उसे दिव्यांग मानते हुए पेंशन देने का आदेश दिया था। इस मामले में केंद्र सरकार की कोर्ट में दलील थी कि? ट्रिब्यूनल के पेंशन देने का आदेश सही नहीं है। सरकार का तर्क था कि? अनुशासनहीनता को दिव्यांगता नहीं माना जा सकता। शराब पीने की लत अनुशासनहीनता मानी जाती है। इस मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि? इस मामले को अलग से देखा जाए। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि? यह जवान कारगि?ल युद्ध में शामिल था। हम जब शाहिद हुए जवानों के ताबूत को देखते हैं तो अलग ही अहसास होता है। इसलिए सरकार को बड़ा दिल दिखाते हुए इस मामले को अलग से देखना चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि? पेंशन रोकने का असर सिर्फ इस जवान पर नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार पर पड़ेगा। हमें परिवार के बारे में भी सोचना चाहिए। अगर हो सके तो सरकार इस जवान के मामले को एक अपवाद के तौर पर देखें। सुप्रीम कोर्ट का ये कहना था कि? इस जवान के लिए सरकार जो फैसला लेती है, वो आगे के लिए नजीर नहीं होगा। सिर्फ इस जवान पर लागू होगा।

## गडकरी ने दी 2300 करोड़ की सौगात, प्रदेश में 20 फ्लॉयओवर व 14 रोपवे को मंजूरी

### 2024 तक 4 लाख करोड़ के काम पूरे होंगे मप्र में

**भोपाल/इंदौर।** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रिमोट का बटन दबाकर शहर को 2300 करोड की सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इंदौर में कई बार आता हूं, हर बार कुछ नया सामने आता है। देश को सुपर इकोनामिक पावर बनाने के लिए काम कर रहे है। गडकरी ने कहा कि 2014 के बाद अकेले मध्यप्रदेश में ही ढाई लाख करोड़ रूपये लागत के काम स्वीकृत, निर्मित तथा प्रगतिरत हैं। इसे 2024 तक चार लाख करोड़ रुपए तक में पूरे कर दिए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आग्रह पर मध्यप्रदेश में सड़क संबंधी विभिन्न प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। इसमें प्रमुख रूप से 20 फ्लॉयओवर तथा 14 जगहों पर रोपवे संबंधी काम भी शामिल हैं। इसके तहत भोपाल, सागर, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम, खण्डवा,

धार, छतरपुर, विदिशा आदि शहरों के फ्लायओवर ब्रिज हैं।

उन्होंने कहा कि 16 हजार करोड की सेतुबंध योजना के तहत इंदौर में पांच फ्लाय ओवर मंजूर कर रहा है। देवास के दो, ग्वालियर में दो, जबलपुर में दो, रतलाम में एक, खंडवा में एक, धार में एक सहित प्रदेश के लिए जो मांगे हैं वह मंजूर कर रहा हूं। पश्चिमी रिंग रोड को मंजूर करता हूं। इस रोड के आसपास नया इंदौर बसाए। जो सभी वन टाइम इन्वेस्टमेंट वाली सभी सड़कों को बनाने की भी मंजूरी देता हूं। दिल्ली मुंबई हाईवे एशिया का सबसे लंबा हाईवे है। 1350 किमी लंबा यह हाईवे एक लाख करोड रुपये की लागत। मप्र का हिस्सा 80 प्रतिशत हो चुका है। अगले तीन महीने इंदौर से दिल्ली जाने का सफर करने में कम समय लगेगा। हमने नागपुर में थ्री लेयर, पुणे में चार लेयर रोड और चेन्नई में भी चार लेयर की रोड बनाई है। इंदौर में डबल डेकर बनाने का प्लान बनाए, इसकी रूपरेखा तैयार किजिए। इससे ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

### मल्टी पार्किंग की जरूरतः शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि 2014 में सड़कों की हालात बहुत खराब थी, राज्य मार्ग हम खुद ही बना लेंगे। नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया था कि स्थिति बदल जाएगी। उन्होंने कर दिखाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में हमें मिला है। गडकरी जी कल्पवृक्ष हैं, कभी भी बजट का बहाना नहीं बनाते। उनसे जितना मांगो उससे ज्यादा दे देते हैं। ढाई लाख करोड़ के काम हो रहे हैं इस समय मध्य प्रदेश में, जो गडकरी जी की मदद से। चंबल के बीहड़ों में गडकरी जी के प्रयासों से राष्ट्रीय राजमार्ग बनेगा। वहां अब मैं टाउनशिप बनाऊंगा। प्रदेश में इस समय कई सड़कों का काम हो रहा है। इंदौर का विजन को देख शहर में ट्रैफिक की बड़ी समस्या है। हम सड़कों के अलावा हम हवा में चलने की उम्मीद कर रहे हैं। रोपवे या केबल कार इंदौर में होना चाहिए। इसके अलावा शहर को मल्टी पार्किंग प्लाजा की जरूरत है। आइएसबीटी के जरिये इसे उपलब्ध कराई जा सकती है।

## गुजरात में ड्रग-शराब माफिया को आखिर कौन दे रहा संरक्षण : राहुल गांधी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में कुछ महीनों में की गई मादक पदार्थों की बरामदगी और जब्ती को लेकर सोमवार को केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि डबल इंजन सरकार में कौन लोग हैं जो राज्य में मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में कानून व्यवस्था है या फिर 'माफिया की सरकार' है? राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पिछले साल 21 सितंबर को 21,000 करोड़ रुपये के 3000 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। गत 22 मई को 500 करोड़ रुपये के 56 किलोग्राम और 22 जुलाई को 375 करोड़ रुपये के 75 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए।' कांग्रेस नेता ने सवाल किया, 'डबल इंजन सरकार में बैठे कौन लोग हैं जो लगातार मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं? गुजरात के युवाओं को नशे में क्यों धकेला जा रहा है?' उन्होंने यह भी पूछा, 'एक ही बंदरगाह पर तीन-तीन बार मादक पदार्थ बरामद होने के बावजूद, उसी बंदरगाह पर लगातार मादक पदार्थ की खेप कैसे उतर रही है? क्या गुजरात में कानून व्यवस्था खत्म हो गई है? माफिया को कानून का कोई डर नहीं? या ये माफिया की सरकार है?'

## राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को बताना चाहिए कि धार्मिक कट्टरता कौन फैला रहा : ओवैसी

**जयपुर।** एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि देश में धार्मिक कट्टरता कौन फैला रहा है। ओवैसी ने रविवार को कहा कि हम तो यह उम्मीद कर रहे थे कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बताते कि वो चंद लोग कौन हैं। उन्हें देश को बताना चाहिए वो लोग कौन हैं। डोभाल ने विभिन्न धर्मों के नेताओं से धर्म और विचारधारा के नाम पर वैमनस्यता पैदा करने की कोशिश कर रही कट्टरपंथी ताकतों का मुकाबला करने का आग्रह किया, जो देश पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। डोभाल ने ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल (एआईएसएससी) द्वारा आयोजित एक अंतरधार्मिक सम्मेलन में विभिन्न धर्मों के

धार्मिक नेताओं की उपस्थिति में यह टिप्पणी की। विभाजनकारी एजेंडा को आगे बढ़ाने और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की वकालत करते हुए सम्मेलन में एक प्रस्ताव पारित किया गया। हालांकि, ओवैसी ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि क्या देश में पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। कट्टरपंथ को बढ़ावा देने संबंधी आरोपों पर ओवैसी ने कहा कि हां पूरे भारत में हम ही कट्टरता फैलाते हैं, बाकी सब दूध के धुले हैं। श्रीलंका में राजनीतिक संकट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीलंका की यह स्थिति इसलिए हुई, क्योंकि वहां की सरकार ने बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे का समाधान नहीं किया और जनता को कुछ नहीं बताया। उन्होंने कहा कि डेटा निकलना चाहिए, डेटा बताना चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि भारत में उस तरह के हालात नहीं पैदा होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले कुछ सालों से कार्यपालिका संसद में विधायिका को कमजोर करने का प्रयास कर रही है, जिससे बहस की गुंजाइश कम हो गई है। ओवैसी ने आगे कहा कि संसद के मानसून सत्र में 14 विधेयक पेश किए गए और चंद मिनटों में पास भी हो गए। संसद में एक साल में सिर्फ 60-65 दिन ही बैठक होती है ऐसे में कैसे हम जनता के मुद्दों को उठाएंगे।

## मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे पर केंद्र अलर्ट टास्क फोर्स का हुआ गठन

**नई दिल्ली।** देश दुनिया में मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर काफी डरावना माहौल देखने को मिला। भारत में भी हड़कंप तब मचा जब यहां भी मंकीपॉक्स का मरीज सामने आया था। भारत में अभी तक कुल 4 संक्रमित सामने आ चुके हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने देश में मंकीपॉक्स के मामलों की निगरानी के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। टीम का नेतृत्व नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल करेंगे और सदस्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, फार्मा और बायोटेक के सचिव शामिल होंगे। दरअसल, मंकीपॉक्स के खतरों के बीच केंद्र सरकार ने इससे निपटने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन करने का फैसला किया है।

## संजय राउत पर मुझे गर्व, वे बाला साहब ठाकरे के रास्ते पर : उद्धव ठाकरे

**मुंबई ।** शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। सोमवार को उद्धव ठाकरे ने संजय राउत के परिवार से मुलाकात की है। ठाकरे ने संजय राउत पर गर्व होने की बात कहकर कहा कि वक्त बदलता रहता है। सोचिएगा जब हमारा वक्त आएगा तब क्या होगा। उन्होंने दावा किया कि सरकार के विरोध में बोलने वालों को जेल भेजा जा रहा है। आज विरोधियों के खिलाफ बल प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं भी ढाई सालों तक मुख्यमंत्री रहा लेकिन मुझे इसका कभी घमंड नहीं है। ठाकरे ने दावा किया है कि जो मेरे साथ है, वह दगाबाजी नहीं कर सकते। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह विपक्ष को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के खिलाफ बोलने पर संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि मरना मंजूर है लेकिन शरण में नहीं जाऊंगा। शिवसेना प्रमुख ने कहा कि प्रजातंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है।

## अरविंद केजरीवाल का गुजरात में आप सरकार आने पर 20 लाख रोजगार देने का वादा

### जब तक नौकरी नहीं मिलेगी तब तक बेरोजगारों को हर माह 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का भी वादा

**गिर सोमनाथ।** एक महीने के भीतर चौथी बार गुजरात पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्य के युवाओं से बड़ा वादा किया है? केजरीवाल गिर सोमनाथ में आयोजित सभा में ऐलान किया कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो 20 लाख युवाओं को रोजगार देंगे? इतना ही नहीं जब तक

युवाओं को नौकरी नहीं मिल जाती, तब उन्हें हर महीने तीन हजार रुपए बतौर बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा? उन्होंने कहा कि दिल्ली में 12 लाख लोगों को रोजगार दिया है और अब गुजरात के 20 लाख युवाओं को रोजगार देंगे? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 10 लाख सरकारी नौकरियों का इंतजाम करेंगे? सरकारी क्षेत्र में हर किसी को बगैर सिफारिश और भ्रष्टाचार के नौकरी मिलेगी? केजरीवाल ने कहा कि इससे पहले मैं गुजरात में फ्री बिजली की गारंटी देकर गयाथा? क्योंकि गुजरात बिजली काफी महंगी है और महंगाई लगातार बढ़ रही है? इसलिए हमने गुजरात में आप की सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे और 31 दिसंबर 2021 तक बिजली के बकाया बिलों का माफ करेंगे? उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली और पंजाब में बिजली फ्री कर दी है और हमें गुजरात में अवसर दें? केजरीवाल रेवडी स्वीस बैंक में नहीं बल्कि जनता के बीच बांटते हैं? उन्होंने कहा कि आज गुजरात की सरकार पर 3.5 लाख करोड़ का कर्ज है? क्या यह कर्ज केजरीवाल ने किया है? फ्री रेवडी का विरोध करने वाले लोग अपने मित्रों और स्वीस बैंक में रेवडियां बंट रहे हैं? उन्होंने कहा कि जैसी स्कूलें हमने दिल्ली में बनाई हैं, वैसी स्कूलें भाजपा सरकार देशभर बनाकर दिखाए? बोटाद के कैमिकलकांड में मारे गए लोगों के लिए 2 मिनट का मौन रखने के बाद केजरीवाल ने कहा कि जहरीली शराब पीने से हमारे भाइयों ने अपनी जान गंवाई दी? भगवान से प्रार्थना है कि उनकी आत्माओं को शांति प्रदान करे।

## न्यूज़ ट्रैक....

### राष्ट्रमण्डल खेलों में भारोत्तोलक अचिंता ने स्वर्ण जीतने के साथ ही रिकॉर्ड बनाया

**बर्मिंघम** । भारत के अचिंता शुली ने विपरीत हालातों से निकलने के बाद भी बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के साथ ही रिकार्ड बनाया है। अचिंता ने 73 किलोग्राम भार वर्ग के स्नैच राउंड में 143 किलो वजन उठाया जबकि क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 170 किलो वजन स्वर्ण उठाकर भारत के लिए तीसरा स्वर्ण जीता। पहला स्वर्ण मीराबाई चानू जबकि दूसरा जेरेमी लालरिनुंगा ने जीता था। अचिंता ने 73 किलो भार वर्ग में कुल 313 किलो का वजन उठाते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया। अचिंता पहली बार राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग ले रहे हैं। अचिंता ने मुश्किल हालातों से उबरकर यह स्वर्ण अपने नाम किया है। उन्होंने लगातार अपने को निखारा है। उनके पिता परिवार का भरण-पोषण करने के लिए मजदूरी का काम करते थे। 2013 में अपने पिता की मौत के बाद उनके भाई आलोक ने भारोत्तोलन छोड़ दिया। उनकी मां ने घर चलाने के लिए सिलाई सहित कई अन्य काम किये। अचिंता इसके बाद भी खेल पर जमे रहे। अचिंता ने पिछले साल ताशकंद में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के पुरुषों के 73 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था।

### महाराष्ट्र सरकार संकेत को 30 लाख रुपए का पुरस्कार देगी

**मुंबई** । महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता भारोत्तोलक संकेत सरगर को 30 लाख रूपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संकेत को बधाई देते हुए यह पुरस्कार देने की बात कही है। राज्य के सांगली जिले के 21 साल संकेत ने पुरूषों के 55 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार संकेत को 30 लाख रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं उसके ट्रेनर को सात लाख रूपये दिये जाएंगे। संकेत ने आर्थिक दिक्कतों के साथ ही बेहद कम संसाधन होने के बाद भी जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसकी सभी ने प्रशंसा की है।

### शम्सी की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे टी20 में इंग्लैंड को हराया

**साऊथहैम्पटन।** स्पिनर तबरेज शम्सी की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे टी-20 में इंग्लैंड को 90 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने रिजा हैंडरिक्स के 70 जबकि मार्करम के अर्धशतक की सहायता से 191 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम इंग्लैंड 101 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज्यादा पांच विकेट शम्सी ने लिए। दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए हैंडरिक्स के 50 गेंदों में 70, रिले रोसोव के 31, मार्करम के 36 गेंदों में 51 तो कप्तान डेविड मिलर के 9 गेंदों में 22 रनों की बदौलत 191 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज डेविड विली ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 28 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक खिलाड़ी पेवेलियन लौटने लगे।

# राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत कई खेलों में पदक के करीब पहुंचा

**बर्मिंघम ।** राष्ट्रमण्डल खेलों के तीसरे दिन भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा और उसे दो स्वर्ण मिलने के साथ ही महिला क्रिकेट मुकाबले में भी पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत मिली। क्रिकेट के अलावा टेबल टेनिस में भी भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। इसके साथ ही बैडमिंटन के मिश्रित टीम इवेंट में भी भारत पदक के करीब पहुंच गया है।

टेबल टेनिस ¬ इसमें भारतीय पुरुष टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार खेल दिखाकर जीत दर्ज की। शरत कमल और जी. साथियान ने एकल जबकि जी. साथियान और हरमीत देसाई ने युगल मुकाबले को जीता। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला नाइजीरिया से होगा।

बैडमिंटन¬ भारतीय बैडमिंटन टीम ने मिश्रित इवेंट में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से खिताब की ओर कदम बढ़ाया है। इसमें अश्विनी पोनप्पा और सुमीत रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने युगल में शानदार जीत हासिल की। वहीं लक्ष्य सेन और आकर्षी कश्यप ने एकल मैच जीते।

हॉकी ¬ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अपने अभियान की जीत से शुरुआत करते हुए घाना को 11-0 से हराया। टीम की ओर से उप-कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा तीन गोल और जुगराज सिंह ने दो गोल किये। इसके अलावा छह खिलाड़ियों ने एक-एक गोल दागा।

महिला क्रिकेट ¬ क्रिकेट में स्मृति मंधाना के अर्धशतक 63 रनों की सहायता से भारत ने अपने दूसरे ग्रुप गेम में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया। इस मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले 100 रनों के लक्ष्य को भारत ने आसानी से दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। वहीं भारतीय टीम को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

स्क्वैश¬ इसमें भारत की जोशना चिनप्पा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की कैटलिन वाट्स को 11-8, 9-11, 11-4 और 11-6 से हराकर पदक की उम्मीदें बनाये रखी हैं।

## राष्ट्रमण्डल खेलों में आज भारत के मुकाबले

बर्मिंघम (ईएमएस)। राष्ट्रमण्डल खेलों के चौथें दिन सोमवार को भारतीय खिलाड़ी कई प्रतियोगिताओं में उतरेंगे। इसमें भारोत्तोलन के अलावा , तैराकी , टेबल टेनिस , मुक्केबाजी और पुरुष हॉकी सहित कई अन्य खेल भी शामिल हैं। भारत को अभी तक कुल छह पदक मिले हैं। ये सभी भारोत्तोलकों को मिले हैं।

तैराकी ¬ भारत को आज तैराक नटराजन से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। नटराज पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक फाइनल में भारतीय समय के अनुसार 1.07 बजे उतरेंगे। इसके अलावा 100 मीटर बटरफ्लाइ हीट 6¬ साजन प्रकाश (दोपहर 3.51 बजे उतरेंगे।

टेबल टेनिस ¬ पुरूष टीम सेमीफाइनल मुकाबले रात 11.30 बजे से होगें।

मुक्केबाजी ¬ पुरुषों के 48 से 51 किलो वर्ग के अंतिम 16 में अमित पंघाल (दोपहर 4 . 45) उतरेंगे 54 से 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में हुसामुद्दीन मोहम्मद का मुकाबला शाम छह बजे होगा। 75 से 80 किलो वर्ग में आशीष कुमार रात एक बजे से मैदान में उतरेंगे।

साइकिलिंग ¬ महिला कीरेन पहला दौर¬ त्रियक्षा पॉल, शशिकला अगाशे , मयूरी लुटे शाम 6.30 से उतरेंगे।

पुरूषों की 40 किमी अंक रेस क्वालीफाइंग में नमन कपिल, वी केंगलकुट्टी, दिनेश कुमार, विश्वजीत सिंह (शाम 6.52 से उतरेंगे।

हॉकी ¬पुरूषों का पूल बी¬ भारत बनाम इंग्लैंड मुकाबला रात 8.30 से होगा।

भारोत्तोलन में पुरूषों का 81 किलो वर्ग में मुकाबला अजय सिंह से दोपहर दो बजे से होगा।

*तेल अवीव में पेरिस सेंट जर्मेन के नेमार ट्रॉफी और साथी खिलाड़ियों के साथ उत्साहित नजर आये।*

## वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर डिएंड्रा ने संन्यास लिया

**बर्मिंधम ।** वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर डिएंड्रा डॉटिन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। डिएंड्रा ने कहा कि टीम के खराब माहौल को देखते हुए उन्हें ये फैसला करना पड़ा है। वह हालांकि घरेलू क्रिकेट लीग में खेलती रहेंगी। डॉटिन 30 अगस्त से शुरू हो रहे महिला सीपीएल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की कप्तानी करेंगी। वह यूके में द हंड्रेड (100 बॉल का मैच) के दूसरे सत्र में मैनेचेस्टर टीम से खेलेंगी।

डॉटिन ने कहा , 'मैंने अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई बाधाओं का सामना किया और उन्हें पार किया है पर अभी जो टीम का माहौल है उससे मेरे अंदर खेलने का उत्साह पैदा नहीं हो पा रहा है। , मुझे अब लग रहा है कि मैं टीम के माहौल के अनुसार नहीं चल सकती हूं। इसने मेरे अच्छे प्रदर्शन करने की क्षमता को कम कर दिया है। मुझे वेस्टइंडीज की ओर से खेलने का जो अवसर मिला, उसके लिए मैं सबकी आभारी हूं। अपने 14 साल के करियर के दौरान, मैंने मैदान पर अपना 100 फीसदी देने का पूरा प्रयास किया है।'

डॉटिन वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली क्रिकेटर हैं।उन्होंने जून 2008 में डेब्यू किया था। तब से लेकर अब तक इस क्रिकेटर ने 124 टी20 और 143 एकदिवसीय खेले हैं। उन्होंने एकदिवसीय में तीन शतक के साथ ही 30.54 के औसत से 3727 रन बनाए हैं। वहीं, टी20 में दो शतक के साथ ही 2697 रन बनाये हैं।

इस अनुभवी बल्लेबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 112 रन बनाए थे। इस पारी के दौरान उन्होंने केवल 38 गेंद में शतक लगाया था।

## क्रिकेट के लिए अच्छे नहीं कई प्रारुप : इयान चैपल

**सिडनी ।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने टी10 को लेकर कहा है कि क्रिकेट के भविष्य के लिए इतने ज्यादा छोटे प्रारुप सही नहीं है। इयान ने कहा कि खेल के प्रशासकों को इस मामले में गंभीरता से विचार करना होगा। साथ ही कहा कि पेशेवर लाभ के नजरिये से देखा जाये तो छोटे प्रारुप से जमकर आर्थिक लाभ होता है पर इससे खेल को नुकसान हो रहा है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए भी टी10 प्रारुप ठीक नहीं है।

चैपल का मानना है कि क्रिकेट के भविष्य पर सभी को मिलकर बात कर कोई हल निकालना होगा। इसमें यह देखना होगा कि इतने ज्यादा प्रारुप होने चाहिये कि नहीं। इसके बाद इसपर कोई फैसला लेना सही होगा। चैपल ने कहा, ''इस विषय पर पहले ही बात हो जानी चाहिये थी हालांकि अब भी समय है जब हम इस मामले को लेकर सतर्क हो जायें''

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में खेलने की शैली में भारी बदलाव आया है और पर उसके भविष्य पर किसी का ध्यान नहीं गया है। इसपर कोई योजना भी नहीं बनायी गयी है। पहले एकदिवसीय क्रिकेट लोकप्रिय हुआ था वहीं अब टी20 ने उसकी जगह ले ली है। इन हालातों में टेस्ट क्रिकेट की बात कम ही होती है। चैपल ने बेन स्टोक्स के अचानक ही एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास पर कहा कि इसकी पहले से ही आशंका थी और यह चिंता का भी कारण है। उन्होंने कहा, ''50 ओवर का मैच अगर अच्छी तरह खेला जाता है तो यह अच्छा क्रिकेट मैच होता है जो मनोरंजन भी प्रदान करता है।

## व्यापारन्यूज

### सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत भी घटी

**नई दिल्ली ।** सोने एवं चांदी की वायदा कीमतों में सोमवार को गिरावट देखी गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर, 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 280 रुपए की टूट के साथ 51,346 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में शुक्रवार को अक्टूबर, 2022 में डिलीवरी वाले सोने का दाम 51,626 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर पांच दिसंबर, 2022 को डिलीवरी वाले सोने में 295 रुपए की गिरावट के साथ 51,590 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। शुक्रवार को दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 51,885 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सितंबर, 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 343 रुपए की गिरावट के साथ 58,027 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में सितंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 58,370 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। वहीं, दिसंबर 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 296 रुपए की टूट के साथ 59,140 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इससे पिछले सत्र में शुक्रवार को दिसंबर, 2022 कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 59,436 रुपए रही थी।

### जुलाई में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.49 लाख करोड़

**नई दिल्ली ।** आर्थिक सुधार और कर चोरी पर रोक लगाने के लिए किए गए उपायों के कारण जुलाई में जीएसटी संग्रह 28 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए हो गया। वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई 2021 में 1,16,393 करोड़ रुपए था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से इस साल जुलाई में मासिक कर संग्रह दूसरे स्थान रहा। इससे पहले अप्रैल 2022 में संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन अवधि में वस्तुओं के आयात से राजस्व में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू लेनदेन से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक था।

## रिजर्व बैंक रेपो रेट में कर सकता है 50 बीपीएस की बढ़ोतरी

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की इस हफ्ते बैठक होने जा रही है। इसमें नीतिगत रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की बढ़ोतरी का फैसला हो सकता है। ईटी द्वारा 22 बाजार विशेषज्ञ के बीच कराए गए पोल में यह बात सामने आई है। इनमें से अधिकांश का कहना है कि केंद्रीय बैंक पॉलिसी रेट में आधा फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। यूरोप ने एक दशक में पहली बार ब्याज दरों में इजाफा किया है। इसी तरह अमेरिका ने भी पिछले दो महीनों में दो बार पॉलिसी रेट में इजाफा किया है। इससे साफ है कि दुनियाभर के बैंक महंगाई को रोकने के लिए पॉलिसी रेट में इजाफा कर रहे हैं और आरबीआई के भी इसी रास्ते पर चलने की संभावना है। रिजर्व बैंक ने बढ़ती महंगाई को काबू में लाने के लिए मई और जून में नीतिगत दर में कुल 0.90 प्रतिशत की वृद्धि की थी। रेपो रेट बढ़ने से आपके लोन की किस्त बढ़ जाएगी।

विशेषज्ञ का कहना है कि आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी का रुख दूसरे देशों के केंद्रीय बैंकों के अनुरूप रहने की उम्मीद है। इससे रुपए की गिरावट, फंड के आउटफ्लो और आयात की महंगाई को रोकने में मदद मिलेगा। हालांकि घरेलू स्तर पर कीमतों में कमी के संकेत मिलने लगे हैं। आरबीआई की एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा शुक्रवार को होगी। पोल में शामिल तीन-चौथाई विशेषज्ञ ने कहा कि आरबीआई रेपो रेट में 50 बेसिस अंक की बढ़ोतरी कर सकता है। बाकी लोगों का कहना है कि यह बढ़ोतरी 25 से 35 बीपीएस की हो सकती है। अभी यह 4.90 फीसदी है जो कोरोना महामारी के दौर से कम है। अप्रैल में देश सीपीआई आधारित महंगाई 7.80 फीसदी थी जो जून में घटकर 7.01 फीसदी रह गई। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही कह चुके हैं कि महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है।

### मुंबई में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने खरीदी जमीन

**मुंबई ।** रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि उसने एक लक्जरी आवास परियोजना विकसित करने के लिए मुंबई में आधा एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने बताया कि इस जमीन पर विकसित होने वाली आवास परियोजना का अनुमानित बिक्री मूल्य 1,200 करोड़ रुपए है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को बताया कि उसने मुंबई में कारमाइकल रोड के पास एक लक्जरी परियोजना विकसित करने के लिए जमीन खरीदी है। करीब आधा एकड़ में फैली इस जमीन को करम चंद थापर (केसीटी) समूह से खरीदा गया।

### श्रीलंका में खाद्य उत्पाद एवं ईंधन महंगा होने से बढ़ी मुद्रास्फीति

**कोलंबो ।** आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में मुद्रास्फीति जुलाई महीने में बढ़कर 60.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई। खाद्य उत्पादों एवं ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहने से मुद्रास्फीति बढ़ी है। श्रीलंका के सांख्यिकीय विभाग ने एक बयान में जुलाई के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि एक साल पहले की तुलना में इस महीने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 60.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। एक महीना पहले जून में यह 54.6 प्रतिशत पर थी। श्रीलंका में जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए भी समुचित विदेश मुद्रा नहीं होने से हालात काफी खराब हो चुके हैं। विदेशी मुद्रा भंडार के अभाव में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कमी का संकट बना हुआ है। जनगणना एवं सांख्यिकीय विभाग ने कहा कि जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 90.9 प्रतिशत हो गई जबकि जून में यह 80.1 प्रतिशत रही थी।

### मजबूत वैश्विक रुझानों से शेयर बाजार की तेज शुरुआत

## सेंसेक्स 57,844 और निफ्टी 17,244 पर

**मुंबइ ।** वैश्विक बाजारों से ?मिले सकारात्मक रुझानों और विदेशी कोषों की ताजा आवक के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 274.02 अंक चढ़कर 57,844.27 पर और व्यापक एनएसई निफ्टी 86.55 अंक बढ़कर 17,244.80 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, डॉ रेड्डीज, विप्रो और भारती एयरटेल बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फिनसर्व में गिरावट देखने को मिली। अन्य एशियाई बाजारों में सोल, शंघाई और तोक्यो के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग में गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुए थे। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 712.46 अंक की तेजी के साथ 57,570.25 पर बंद हुआ था। इसके साथ ही निफ्टी 228.65 अंक बढ़कर 17,158.25 पर पहुंच गया था। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 102.86 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,046.32 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

### पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई इजाफा नहीं

**मुंबई ।** सरकारी तेल कंपनियों ने अगस्त महीने के पहले दिन पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। 1 अगस्त को पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई इजाफा नहीं किया है। पहले की ही तरह सरकारी कंपनियों ने तेल के दामों को रखा है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। इसी बीच सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमत कर दी है। दिल्?ली में पेट्रोल के दाम अब भी 96.72 रुपए लीटर हैं। क्रूड ऑयल अभी 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। क्रूड ऑयल में पिछले 24 घंटे में 6 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है।

## एमजी मोटर जल्द लॉन्च करेगी सस्ती इलेक्ट्रिक कार

**नई दिल्ली ।** ब्रिटेन की एमजी मोटर कंपनी भारत में अपनी अगली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जिसकी कीमत रूपए 12-16 लाख के बीच होगी। मिंट मोबिलिटी कॉन्क्लेव में एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष और एमडी राजीव चाबा ने यह संकेत दिया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि मॉडल क्या होगा और इसके स्पेसिफिकेशन क्या होंगे।

एमजी वर्तमान में भारत में झेडएस ईवी बेचती है, जो टाटा नेक्सन ईवी और हयूदै कोना ईवी जैसे प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करती है।आने वाली कार एमजी मोटर की अन्य कारों की तरह कई एडवांस फीचर्स और लंबी रेंज के साथ आने के उम्मीद है। चाबा ने आगे कहा कि भारत में हर महीने करीब 3,000-4,000 लोग इलेक्ट्रिक कार खरीद रहे हैं। उनकी राय में यह एक पॉजिटिव ट्रेंड है और ऐसा लगता है कि ऑटोमेकर इसका लाभ उठाने का लक्ष्य बना रहा है। एमजी मोटर ने हाल ही में अपनी नई इलेक्ट्रिक कार एमजी4 से पर्दा उठाया है, जिसे 2022 के आखिर में दुनिया भर के कई बाजारों में लॉन्च किया जाएगा। एमजी4 यूरोपीय बाजार में एक किफायती इलेक्ट्रिक कार के रूप में आती है। इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक हैचबैक का लक्ष्य 2023 में लगभग 150,000 यूनिट बेचना है, क्योंकि ऑटोमेकर ने अपनी योजना का खुलासा किया है। एमजी4 भारत में ब्रांड की अगली इलेक्ट्रिक कार हो सकती है। हालांकि, कार ब्रांड ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। एमजी4 एक बार चार्ज करने पर 452 किमी की रेंज देती है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन तेजी से मजबूत हो रहे हैं। जहां इस सेगमेंट में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर का दबदबा है, वहीं पैसेंजर व्हीकल्स के प्रति भी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। यह वजह है कि अब वाहन निर्माता इस सेगमेंट में नई-नई कारें लॉन्च कर रही हैं। टाटा मोटर्स वर्तमान में अपने नेक्सॉन ईवी और टिगोर ईवी के साथ देश में सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है। लग्जरी कार ब्रांडों में मर्सिडीज-बेंज, ऑडी, वोल्वो, बीएमडब्ल्यू और पोर्श पहले ही इस कैटेगरी में इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च कर चुकी हैं।

### डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे चढ़कर 79.11 पर खुला

मुंबई । वैश्विक बाजारों में रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे मजबूत होकर 79.11 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कम आक्रामक रुख के चलते डॉलर के कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण रुपया मजबूत हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.16 पर खुला और शुरुआती सौदों में बढ़त दर्ज करते हुए 79.11 के स्तर को छू गया। इस तरह रुपए ने पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्ज की। पिछले सत्र में रुपया 79.24 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत गिरकर 105.75 पर आ गया।

# डोनल बिष्ट के हुस्न ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

'एक दीवाना था', 'रूपः मर्द का नया स्वरूप' और 'दिल तो हैपी है जी' जैसे टीवी शोज में अपनी शानदार ऐक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली डोनल बिष्ट इन दिनों अपनी हॉट फोटोज की वजह से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाए हुए है। डोनल का ग्लैमरस अवतार फैन्स को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। डोनल ने अपने नए फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। डोनल बिस्ट अब तक कुछ ही टीवी शोज किए हैं, लेकिन उनकी स्टाइल किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। डोनल सोशल मीडिया पर खासा ऐक्टिव रहती हैं और अक्सर फैन्स के साथ अपनी हॉट एंड ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती हैं। टीवी सीरियल 'एक दीवाना था' से डोनल को पहचान मिली। डोनल बिष्ट ऐक्ट्रेस बनने से पहले जर्नलिस्ट थीं और एक न्यूज चैनल में काम करती थीं। उन्होंने दूरदर्शन के शो 'चित्रहार' की भी एंकरिंग की थी, लेकिन ऐक्ट्रेस बनने का जुनून इस कदर सवार था, जिसके लिए वह रोजाना अपना आधा काम करके दिल्ली से मुंबई जाती थीं और करीब 5 से 6 ऑडिशन देती थीं। इसके बाद डोनल बिष्ट को बालाजी के शो 'कलश' के जरिए पहला ब्रेक मिला।डोनल ने 2020 में अपनी 'मी टू' स्टोरी भी मीडिया को सुनाई थी। एक्ट्रेस ने बताया था कि साउथ फिल्म में रोल देने के बदले एक डायरेक्टर ने उन्हें साथ सोने का प्रस्ताव दिया था। डोनल बिस्ट कहती हैं, 'मैं कोशिश करती हूं कि मैं लाइफ में हमेशा अच्छे चीजों पर फोकस करूं और नेगेटिव कॉमेंट से दूर रहूं। मेरी लाइफ, मेरी स्टाइल लोग क्या कहते हैं। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। ' डोनल वेब सीरीज 'कोल्ड ब्लड' में भी नजर आएंगी। डोनल ने बताया, 'इस वेब सीरीज में इकबाल खान हैं और साथ ही इन्द्रनील सेनगुप्ता, करणवीर मेहरा जैसे कलाकार हैं। इस वेब सीरीज की शूटिंग मसूरी में हुई है। ये एक सस्पेंस थ्रिलर है।'

## ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज से पीछे हटे मनोज बाजपेयी

एक्टर ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज ''द नाइट मैनेजर'' से मनोज बाजपेयी पीछे हट गए हैं। खबर है कि यह सीरीज टॉम हिडलेस्टन की द नाइट मैनेजर का हिंदी रीमेक है। इसके लिए मेकर्स ने मनोज बाजपेयी को हथियार डीलर रिचर्ड रोपर की भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया था। इस सीरीज में यह रोल ह्यूग लॉरी ने निभाया था। वहीं टॉम हिडलेस्टन ने द नाइट मैनेजर में जोनाथन पाइन का किरदार निभाया था। ऋतिक रोशन अभिनीत वेब सीरीज द नाइट मैनेजर की हिंदी रीमेक है। जिसके लिए मनोज बाजपेयी से भी बातचीत चल रही थी। लेकिन, मनोज बाजपेयी ने इस किरदार को निभाने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज बाजपेयी के पास डेट्स ना होने के चलते उन्होंने इस सीरीज से जुड़ने से इनकार कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि मनोज सर सीरीज के लिए बातचीत कर रहे थे, लेकिन कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण, उनके दो प्रोजेक्ट्स में पहले ही देरी हो गई है। वह इन दिनों उत्तराखंड में एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वह अपने पेंडिंग पड़े प्रोजेक्ट्स की शूटिंग शुरू करेंगे। ऐसे में उन्हें एहसास हुआ कि सीरीज के लिए उनके पास मेकर्स के अनुसार डेट नहीं होंगी।

## स्पा पार्लर में फ्रेंड के साथ मस्ती करती नजर आईं मदालसा शर्मा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बहू और टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा में काव्या के किरदार में नजर आने वाली मदालसा शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। मदालसा अपने फैंस को निराश होने का कोई मौका नहीं देती हैं। कम समय में मदालसा ने अपने फैंस के दिलों में खास जगह बना ली हैं। फैंस उनके लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। फिलहाल तो हाल ही में मदालसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। मदालसा शर्मा की ये ग्लैमरस तस्वीरें स्पा की हैं। तस्वीरों में मदालसा के साथ नंदू यानी कि अनघा भोसले बाथरोब में नजर आ रही हैं। दोनों ने ही अपने सिर पर गुलाब का फूल लगा रखा है। इसमें कोई शक नहीं की दोनों की इस तस्वीरों में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही हैं।

# शशांक घोष की नेटफ्लिक्स की फिल्म से डिजिटल डेब्यू करेंगे रितेश देशमुख

देश में मौजूदा हालात में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्में या सीरीज देखने का प्रचलन बढ़ा है। हाल में कई फिल्मों को इस प्लेटफॉर्म पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके मद्देनजर फिल्म समीक्षक और मेकर्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छा कंटेंट बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। अब खबर सामने आ रही है कि दिग्गज अभिनेता रितेश देशमुख नेटफ्लिक्स की फिल्म से अपना डिजिटल डेब्यू करेंगे। खबरों की मानें तो इस फिल्म को शशांक घोष निर्देशित करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रितेश शशांक की फिल्म से डिजिटल डेब्यू कर सकते हैं। शशांक ने इससे पहले सोनम कपूर की खूबसूरत (2014) और करीना कपूर की वीरे दी वेडिंग (2018) जैसी हिट फिल्मों का निर्देशन किया है। रजत अरोड़ा ने फिल्म की पटकथा लिखी है। फिल्म को प्रोड्यूस करने की जिम्मेदारी भी उनके कंधे पर है। रजन ने किक, द डर्टी पिक्चर, एक विलेन और वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्मों की पटकथा लिखी है।

सूत्र की मानें तो फिल्म में रितेश के साथ एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के दिखने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का टाइटल निर्धारित नहीं किया गया है। फिल्म की शूटिंग फरवरी में शुरू होनी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण इस शेड्यूल को आगे टाल दिया गया है। अब इस वेब फिल्म की शूटिंग कोरोना के कारण लगे प्रतिबंध हटने के बाद जुलाई में शुरू होने की संभावना है। यह एक सोशल कॉमेडी फिल्म है, जो 2022 में रिलीज होगी। रितेश के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही अपनी महत्वाकांक्षी पीरियड ड्रामा की तैयारी शुरू कर दी है। इस प्रोजेक्ट को सैराट के फेम नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि रितेश ने रॉनी स्क्रूवाला के बैनर तले बन रही एक और फिल्म साइन कर ली है। इस फिल्म पर काम छत्रपति शिवाजी के प्रोजेक्ट से पहले शुरू हो सकता है। रितेश बॉलीवुड की कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म तुझे मेरी कसम से की थी। रितेश की हालिया रिलीज हुई फिल्म मरजावां है, जो 2019 में रिलीज हुई थी।

# अपने मुंह पर हाथ लगाने से रोकने का तरीका जानें

हम हाथ धोते हैं, घर पर रहते हैं, बाहर जाते समय तीन फीट की दूरी रखते हैं। कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए मैं और क्या कर सकता हूं? सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि चेहरे के संपर्क को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं किया जा रहा है। हाथ से मुंह के संपर्क को रोकने से कोरोनावायरस संक्रमण में एक बड़ा अंतर पैदा हो सकता है। यूके में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में सेंटर फॉल बिहेवियर चेंज के निदेशक सुजैन मिची ने कहा कि चुनौती को आसानी से दूर किया जा सकता है। बहुत कुछ करने की तुलना में कुछ न करना कहीं अधिक कठिन है। हालांकि अपने हाथों को नियमित रूप से धोना और सामाजिक दूरी बनाए रखना आसान है, लेकिन अपने हाथों को अपने मुंह में डालना बंद करना मुश्किल हो सकता है। समाचार एजेंसी सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लोग विभिन्न कारणों से हाथ मिला सकते हैं। दाढ़ी की शेव करना, हावभाव या सामान्य खुजली भी हाथ से जा सकती है। चेहरे पर हाथ का स्पर्श तनाव के दौरान सहज महसूस कर सकता है। एक अध्ययन में पाया गया कि लोग प्रति घंटे 23 बार मुंह में हाथ डालते हैं।

सुजैन मिची ने इस आदत को दूर करने के लिए एक सचेत प्रयास का सुझाव दिया। अपने हाथों को हर समय कंधे के स्तर से नीचे रखें और अपने चेहरे को छूने की इच्छा का विरोध करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करें, उन्होंने कहा।

डॉक्टर चेहरे को टी-ज़ोन कहते हैं। टी-ज़ोन की आंख, नाक और मुंह कोरोना वायरस के संक्रमण का मुख्य मार्ग है। यह हवा में बूंदों और संक्रमित सतहों और

वस्तुओं, जैसे मोबाइल फोन, कार की चाबियों, दरवाज़े के हैंडल या लिफ्ट से फैल सकता है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में स्वास्थ्य मनोविज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट वेस्ट ने कहाः 'अगर आपने कभी अपने मुंह में हाथ नहीं डाला, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने हाथ धोए हैं या नहीं। यह महत्वपूर्ण है कि अपने मुंह को न छुएं क्योंकि आपके हाथ श्लेष्मा झिल्ली के संपर्क में आ सकते हैं। यह श्लेष्मा झिल्ली वायरस के शरीर में प्रवेश करने के तरीके के रूप में कार्य करती है। अमेरिकी चिकित्सा राहत समूह फ्लोटिंग डॉक्टर्स ने पहले ही 'डोंट टच योर फेस' नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें लोगों से अपने चेहरे को छूने की शारीरिक और मानसिक आदत को तोड़ने का आग्रह किया गया है।

फ्लोटिंग डॉक्टर हाथ देने से रोकने के तरीके के रूप में एक फैसी सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब लोग बाहर जाते हैं तो सिर पर छोटे-छोटे जाल लगाते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सिर से लेकर गर्दन तक जाल से ढका जाता है। फ्लोटिंग डॉक्टर्स के संस्थापक। इस नेट का उपयोग करना आरामदायक है, बेन लेबोर्ट ने कहा। जाल का उपयोग करके दिखाना आसान है। इस जाल का प्रयोग करते समय मन को मुंह में हाथ डालने का भान होता है। सामने बाधा के कारण मुंह में हाथ कम है। यह हर जगह कम कीमत पर उपलब्ध है। संक्रमण से बचाव के लिए इस तरीके का आसानी से पालन किया जा सकता है। ऐसे भौतिक अवरोध बहुत प्रभावी होते हैं।

रॉबर्ट वेस्ट ने कहा कि हथकड़ी और जाल को रोकने के लिए मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, इसे खोलने और लगाने पर चेहरे पर अधिक हाथ छूटने का खतरा रहता है। विशेषज्ञ रॉबर्ट वेस्ट सलाह देते हैं: यानी एक को दूसरे के खिलाफ व्यवहार करने की आदत डालनी होगी।

# बड़े सीनियर ऐक्टर के साथ रोमांस इतना आसान नहीं थाः प्रियल महाजन

टीवी के मशहूर शो में शुमार 'मोलक्की' के मुख्य किरदार प्रियल महाजन और अमर उपाध्याय की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जाता है। इस शो की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी लीड ऐक्ट्रेस प्रियल महाजन जोकि सिर्फ 19 साल की हैं और वह शो में अपने से दोगुने उम्र के ऐक्टर अमर उपाध्याय की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। प्रियल से जब पूछा गया कि ऑन स्क्रीन उम्र में इतने बड़े सीनियर ऐक्टर के साथ रोमांस करने में परेशानी हुई तो इस पर ऐक्ट्रेस ने कहा, 'इतना आसान नहीं था सब।' 'मोलक्की' ऐक्ट्रेस प्रियल महाजन ने शो में अमर उपाध्याय के साथ रोमांटिक सीन को लेकर खुलकर बात की। प्रियल ने कहा, 'शुरू में परेशानी होती थी, लेकिन मेरे को- ऐक्टर अमर उपाध्याय बहुत अच्छे हैं और वह हमेशा मुझे सपोर्ट करते हैं।' 'मोलक्की' शो में प्रियल एक युवा लड़की का किरदार निभा रही हैं। जिसकी शादी दो बच्चों के पिता के साथ हो जाती है। शादी के बाद पूर्वी यानी प्रियल और वीरेंद्र प्रताप सिंह की जिंदगी किस तरह बदल जाती है। शो की कहानी इसी के इर्द- गिर्द घूमती नजर आएगी। प्रियल से जब पूछा गया कि उन्हें कभी भी इस बात को लेकर परेशानी हुई? तो इस पर प्रियल कहती हैं। 'अमर सर मेरे से बड़े हैं, लेकिन मुझे उनसे बात करते हुए कभी भी अजीब नहीं लगता। हम सीन पहले डिस्कस कर लेते हैं।' प्रियल महाजन ने खुलासा किया कि कुछ रोमांटिक सीन बस आंखों से करने होते थे। यह मेरा पहला शो हैं मैं हर दिन कुछ सीख रही हूं।

# इस प्रकार का सीने में दर्द बड़े भय का कारण होता है

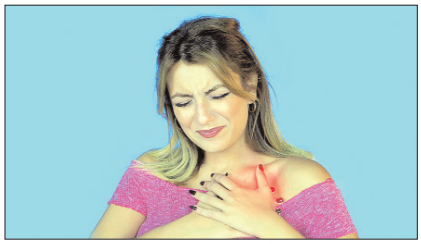

सीने में दर्द छाती की मांसपेशियों में खिंचाव, हड्डियों की समस्या, सीने में चोट या यहां तक कि फेफड़ों की समस्याओं के कारण भी हो सकता है। विभिन्न ग्रासनली समस्याओं में भी सीने में दर्द होता है। हमारे पेट में खाना पचाने के लिए एसिड होता है। कभी-कभी जब यह एसिड अन्नप्रणाली में प्रवेश करता है, तो छाती या गला जल जाता है। यह दर्द छाती की हड्डी के नीचे महसूस किया जा सकता है।

नाराज़गी के कारण होने वाला दर्द आमतौर पर खाने के बाद होता है। ऐसा दर्द कई घंटों तक रह सकता है। डर या घबराहट भी कई लोगों के सीने में दर्द का कारण बन सकता है। इस प्रकार के सीने में दर्द लगातार सांस लेने के लक्षणों की विशेषता है। ज्यादा पसीना आने से भी सीने में दर्द होता है। छाती की धड़कन दिल के काम को बढ़ा सकती है। हालांकि, अगर दिल के आसपास के किसी भी अंग में कोई समस्या है, तो इससे सीने में दर्द हो सकता है। यह मान लेना डॉक्टर या अस्पताल का दोष नहीं है कि समस्या हृदय रोग के कारण है। लेकिन दिल की बीमारी से पीड़ित होने पर डॉक्टर या अस्पताल न जाने का मतलब है एक बड़ा खतरा बुलाना। हालांकि, दर्द हृदय रोग या हृदय रोग के कारण नहीं होता है, यह समझने का तरीका है कि हृदय रोग के बिना दर्द छाती में एक ही स्थान पर होता है। रोगी उंगली से बता सकता है कि दर्द कहां है। ऐसा दर्द छाती, गर्दन, बायें हाथ या शरीर के बायें हिस्से तक नहीं फैलता। यह दर्द आमतौर पर किसी खतरे का कारण नहीं बनता है। इसके अलावा, यदि ऐसा दर्द है, तो पहले कारण का पता लगाना चाहिए, और यदि रोगी को उस कारण के अनुसार इलाज किया जाता है, तो वसूली केवल कुछ ही क्षणों में होती है।

## लॉकडाउन के बाद लोग गोलमाल जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगेः तुषार

निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। इसके बाद रोहित अपनी अन्य सुपरहिट फ्रेंचाइजी गोलमाल के काम पर जुटेंगे। अपनी टीम के साथ वह इसके प्री-प्रोडक्शन पर जल्द ही काम शुरू कर देंगे। वैसे भी गोलमाल की अगली किश्त का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और अब अभिनेता तुषार कपूर ने फिल्म से जुड़ीं अहम जानकारियां साझा की हैं। आइए जानते हैं उन्होंने इस बारे में क्या कुछ कहा। तुषार कपूर ने हाल ही में इंडस्ट्री में 20 साल पूरे भी किए हैं। उन्होंने कहा, कोरोना काल ने सब गड़बड़ किया, वरना 2019 में गोलमाल 5 की घोषणा हुई थी। इसे इसी साल रिलीज किया जाना था, लेकिन लॉकडाउन होने की वजह से जाहिर तौर पर ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, हालांकि, मुझे यकीन है कि यह एक न एक दिन तो बनेगी। मेरे ख्याल से अगले साल या उसके बाद। तुषार ने आगे कहा, लॉकडाउन के बाद लोग जरूर गोलमाल सीरीज जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे। वह इसलिए कि इस लॉकडाउन में समाज के हर तबके ने कठिनाइयां उठाई हैं। सब तनाव में रहें हैं। लिहाजा कोरोना खत्म होने के बाद लोग हंसी-खुशी वाले माहौल में फिर से जाना चाहेंगे, वो सब इस सीरीज से उन्हें मिलेगा। गोलमाल की पिछली किश्त में हॉरर का कॉन्सेप्ट डाला गया था। इस बार एक्शन का डोज ज्यादा रहेगा। गोलमाल सीरीज की पिछली चारों फिल्में दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी हैं। अब इसके पांचवें पार्ट के जरिए एक बार फिर दर्शकों को हंसी का तगड़ा डोज मिलने वाला है। गोलमाल सीरीज का पहला पार्ट 2006 में रिलीज हुआ था, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर और शरमन जोशी ने अहम भूमिका निभाई थी। 2008 में गोलमाल रिटर्न्स आई थी। तीसरा पार्ट 2010 में आया और सात साल बाद गोलमाल की चौथी फिल्म गोलमाल अगेन आई थी। तुषार कपूर जल्द ही फिल्म मरीच के साथ दर्शकों के बीच हाजिर होंगे। इस फिल्म में वह पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें उनके साथ अनीता हसनंदानी दिखाई देंगी।

## हर घर तिरंगा अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाया जा रहा अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है और सभी क्षेत्रों एवं समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़े अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। देशवासियों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान का उल्लेख किया और लोगों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा फहराकर इस आंदोलन का हिस्सा बनने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में आजादी के आंदोलन में आहूति देने वाले योद्धाओं को नमन किया और अमृत महोत्सव अभियान के तहत देश भर में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर बहुत खुशी होती है कि आजादी का अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। सभी क्षेत्रों और समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़े अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री की हर घर तिरंगा अभियान की चर्चा से पहले ही देश में इसे लेकर माहौल तैयार हो चुका है। राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र का सर्वोच्च प्रतीक है। यही कारण है कि जब भी तिरंगा फहराया जाता है, तो वह किसी भी अन्य झंडे या उपस्थिति से ऊपर होता है। तिरंगे का समुचित सम्मान सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्वज कानून बनाया गया है। इस वर्ष हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। इस अवसर पर केंद्र सरकार ने ध्वज कानून में सराहनीय बदलाव करते हुए यह प्रावधान किया है कि अब कोई भी नागरिक अपने आवास पर चौबीस घंटे राष्ट्रीय झंडा फहरा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण अभियान %हर घर तिरंगा भी है, जिसके तहत नागरिकों से 13 से 15 अगस्त के बीच अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जुलाई को सोशल मीडिया के माध्यम से यह निवेदन देश के समक्ष रखा था। 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था। इस ऐतिहासिक तथ्य को उद्धृत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा पहली बार फहराए गए तिरंगे झंडे की तस्वीर भी साझा की थी। तिरंगे को फहराने में किसी तरह की जाने-अनजाने गलती न हो, इसका ध्यान रखते हुए पहले यह व्यवस्था थी कि सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच इसे घरों या कार्यालयों में नहीं फहराया जाना चाहिए। वर्ष 2009 में इस प्रावधान में संशोधन करते हुए बहुत लंबे खंभों पर दिन-रात झंडे को लगाने की अनुमति दी गई थी। अब इस नियम को विस्तार देते हुए नागरिकों को अपने घरों पर इसे 24 घंटे लगाने की स्वीकृति दे दी गई है। स्वतंत्रता प्राप्ति के इस अमृत वर्ष में यह निर्णय निश्चित ही देशवासियों के लिए स्वागतयोग्य उपहार है। इससे %हर घर तिरंगा अभियान में अधिक से अधिक लोग भी हिस्सा ले सकेंगे। माना जा रहा है 13 से 15 अगस्त के बीच चलने वाले इस अभियान में लगभग 30 करोड़ घरों पर राष्ट्रीय झंडा लगाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस तथा अन्य अवसरों पर झंडा वंदन केवल औपचारिकता नहीं होता, बल्कि इसके नीचे खड़े होकर हम अपने असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को याद करते हैं, स्वतंत्र भारत की गौरवपूर्ण उपलब्धियों का उल्लास मनाते हैं तथा भविष्य में देश की एकता एवं अखंडता को बनाये रखते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने का संकल्प लेते हैं। साढ़े सात दशकों की स्वतंत्र भारत की यात्रा निश्चित ही एक विशिष्ट अवसर है। राष्ट्रीय ध्वज खादी भंडारों और अन्य केंद्रों के अलावा डाकघरों से प्राप्त किये जा सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में मशीन से बने पॉलीस्टर, ऊन, सूती और रेशम के झंडे लगाने की अनुमति भी दी जा चुकी है।

# कहो तो कह दूं उन शेरों ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उन्हें ये दिन भी देखने पड़ेंगे.....

चैतन्य भट्ट

शेर तो शेर होता है, जंगल का राजा, जब दहाड़ता है तो सारे जंगल में उसकी आवाज गूँज जाती है, शेर का कई तरह की उपमाओं में भी प्रयोग किया जाता है जैसे ÷वो शेर जैसा चलता है÷, ÷वो अपने शहर का शेर है÷ आदि आदि लेकिन पाकिस्तान के लाहौर के सफारी चिड़िया घर के शेरों ने कभी सपनों में भी ये नहीं सोचा होगा कि उन्हें ऐसे बुरे दिन भी कभी देखने पड़ जाएंगे द्य पाकिस्तान के ÷समां टीवी÷ के मुताबिक लाहौर का सफारी चिड़ियाघर अपने बारह शेरों को बेचना चाहता है और इसके पीछे कारण है कि वो उनके खाने और देखरेख का खर्चा नहीं जुटा पा रहा है, यंहा तक तो ठीक था लेकिन इन शेरों की कीमत क्या तय की है इस सफारी ने मात्र ÷डेढ़ लाख रूपये प्रति शेर÷ जबकि उधर एक भैस की ही कीमत तीन लाख से लेकर दस लाख तक की है, अब आप सोचो कि शेरों की क्या दुर्दशा कर डाली इन पाकिस्तानियों ने द्य बताया जाता है कि अगस्त के पहले हफ्ते में इन शेरों को किसी भी हालत में बेच ही दिया जाएगा अब शेर कोई कुत्ता, बिल्ली, गाय, भैंस, तोता,चिड़िया या गौरैया तो है नहीं कि तत्काल ही खरीददार मिल जाए और फिर जिनके खाने पीने और देखरेख के लिए जब सरकारी सफारी घुटने टेक रही हो तो उन शेरो को खरीदेगा भला कौन? शेर को पालना कोई आसान काम है क्या? इसलिए उनके खरीददार नहीं मिल रहे है अपनी तो मध्यप्रदेश सरकार से अपील है कि आप अफ्रीका से चीता ला रहे हो लाखों रुपया अभी तक प्रदेश के अफसर अफ्रीका के टूर पर खर्चा कर चुके है इससे अच्छा तो ये है कि जब शेर ÷सेल÷ में मिल रहे है तो एक मुश्त इन्हें खरीद लो वैसे भी शेरो की संख्या अपने प्रदेश में कम होती जा रही है ऐसे में यदि ÷घटी दरों÷ में शेर मिल रहे है तो तत्काल इस तरफ सरकार को कदम बढ़ा देना चाहिए द्य उधर पकिस्तान में शेरों की ऐसी दुर्दशा हो रही है इधर अपने महाराष्ट्र में शेर को लेकर झीना झपटी चल रही है, शिवसेना का निशान शेर है उस शेर को लेकर एकनाथ शिन्दे कह रहे है कि ये शेर हमारा है, उधर उद्धव ठाकरे उस शेर को सीने से लगाये पड़े है कि देखें ये शेर उनसे कौन छीनता है इस चक्कर में शेर भी परेशान है कि एकनाथ शिन्दे के पास जाए या फिर उद्धवजी के पास ही बने रहें, वो भी बड़ा ÷कम्पयूज÷ है, अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पंहुचा है देखते हैं सुप्रीम कोर्ट ये शेर किसके हवाले करता है, दूसरी तरफ संजय राउत पर ईडी का छापा पड़ गया है लेकिन वे कह रहे है कि मैं नही डरने वाला, मैं तो महाराष्ट्र का शेर हूँ कुल मिलकर इस वक्त शेरों की भारी छीछालेदर हो रही है इन शेरों ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि उनके इतने बुरे दिन आ जायेंगे कि उनकी ÷प्राइज÷ भैसों से भी कम हो जाएगी लेकिन शेरो तुम्हारी कीमत तो फिर भी ÷डेढ लाख÷ लगाई जा रही है इस कलियुग में इंसान की कीमत तो धेले भर की भी नहीं बची है द्य

### रणवीर सिंह की फोटो

बॉलीवुड के अभिनेता रणवीर सिंह ने एक अमेरिकन मैगजीन के लिए अपनी ÷न्यूड÷ फोटो क्या उतरवा ली पूरा देश उन पर दाना पानी लेकर चढ़ बैठा, पचीसों जगह उनके खिलफ मुकदमे कायम हो गए द्य अरे भैया ये लोग स्टार है इन्हें कपडे उतारने के ही पैसे मिलते है क्या पता इस फोटो के लिए उस अमेरिकन मैगजीन ने रणवीरसिंह को लाखों रुपयों का भुगतान किया हो , फ़िल्मी दुनिया में कपडे उतारना कोई नई बात तो नहीं है कितनी ही अभिनेत्रियां और मॉडल न्यूड फ्फोटो सेशन करवा चुकी हैं उनका सोचना है कि जब ऊपर वाले ने शरीर दिया है तो उसे छिपाया क्यों जाए दुनिया को दिखाओ और पैसा कमाओ , मैगजीन वालों ने भी सोचा होगा कि यदि रणवीर सिंह की फोटो उतार कर मैगजीन में बतौर मॉडल छापेंगे तो उन्हें मंहगे कपडे पहनाना पड़ेगा, तरह तरह की ड्रेस में फोटो शूट करना पड़ेगा इससे बेहतर तो ये हैं कि न्यूड फोटो सेशन करवा दो कपड़ों के पैसे भी बच जाएंगे द्य इस देश में कोई पैसो के लिए न्यूड हो रहा है तो कोई फैशन के कारण, किसी को अपना जिस्म दिखाने का शौक है, तो कोई जबरदस्ती नंगा किया जा रहा है इसलिए बरसों पहले कवि ÷प्रदीप÷ ने लिख दिया था ÷कहीं पे झगडा कहीं पे दंगा, नाच रहा नर होकर नंगा÷। प्रदीप को बरसों पहले ही पता लग गया था कि एक नर नंगा होकर अपनी फोटो खिचवायेगा और उसे रणवीर सिंह ने पूरा कर दिखाया द्य अपने को तो एक बात समझ में नहीं आती कि आखिर उस अमरीकन मैगजीन ने रणवीर सिंह के शरीर में ऐसा क्या देख लिया है ये वास्तव में अभी तक रहस्य ही हैं द्य

### आओ माफी माफी खेलें

इस वक्त देश के राजनैतिक दलों के बीचा एक नया खेल बड़े जोर शोर से चल रहा है जिसका नाम है ÷आओ माफी माफी खेलें÷ हर राजनैतिक दल दूसरे दल के नेताओं से माफी मांगने की मांग कर रहा है बीजेपी नेता कांग्रेस नेता अधीरंजन से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं तो स्मृति ईरानी अधीर रंजन से नहीं बल्कि उनकी पार्टी के सबसे बड़ी नेता सोनिया गाँधी से माफी मांगने के लिए संसद में अपनी आवाज गुंजा रही हैं तो कांग्रेस उलटे स्मृति ईरानी से ही माफी मांगने की बात कह रही है, उधर महाराष्ट्र में राजयपाल कोशियारी जी ने ऐसा क्या कह दिया कि उनकी पार्टी के लोग ही उनसे माफी मांगने की मांग करने लगे, यानि चौतरफा एक ही बात चल रहीं है कि माफी मांगो द्य वैसे आजकल ये अच्छा ट्रेंड चला है जो मर्जी आये मुंह से निकाल दो और जब हल्ला मचे तो माफी मांग लो यानि ÷सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे÷ जो कहना था कह भी दिया अपनी बात लोगों तक पंहुचा भी दी और हल्ला मचा तो माफी मांग ली उधर राजनैतिक दलों ने भी एक अच्छा रास्ता निकाल लिया है किसी बयान पर विवाद हुआ तो कह दिया कि ये उनका निजी बयान हैं इसका पार्टी से कोइ लेना देना नहीं है, अरे पार्टी वालो जब वो आपकी पार्टी के नेता है तो उनका बयान तो पार्टी का ही अधिकृत बयांन ही माना जाएगा न ये निजी बयान की कहानी तो अपनी समझ में आज तक नहीं आई अब देखो न पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के खास कहे जाने वाले मंत्री ÷पार्थ चटर्जी÷ ने अपना सब कुछ ÷अर्पिता÷ को अर्पित कर दिया और जब पकडे गए तो पार्टी ने कह दिया कि उनके पास मिले करोड़ों रुपयों का पार्टी से कोई लेना देना नहीं है।

## व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है।जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।

## नाग पंचमी का पर्व

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

नाग अगर किसी को दिख जाएं तो अच्छे अच्छे लोगों के पसीने छूट जाते हैं। लेकिन, जिस तरह से देवी देवताओं की पूजा की जाती है वैसे ही हिंदू धर्म में नाग देवता की भी पूजा की जाती है। नागों की पूजा के लिए एक विशेष दिन भी निर्धारित किया गया है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाएगा।

नागों को पंचमी तिथि बहुत ही प्रिय है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शक्तिशाली नाग धरती के अंदर नाग लोक में वास करते हैं। नागों को लेकर सिर्फ एक नहीं बल्कि कई मान्यताएं हैं। भविष्य पुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की कई पत्नियां थी जिनमें से एक नाम कद्रू और दूसरी का नाम विनिता था। एक बार महर्षि कश्यप ने अपनी पत्नी कद्रू की पत्नी को प्रसन्न होकर उन्हें तेजस्वी नागों की माता बनने का वरदान दिया। इस तरह हईं सांपों की उत्पत्ति हुई। वहीं, ऋषि कश्यप की दूसरी पत्नी विनिता, पक्षीराज गरुड़ की माता बनी। कद्रू और विनिता के बीच हमेशा ही ईर्ष्या रहती थी।

समुद्र मंथन के दौरान एक सफेद रंग का बहुत ही सुंदर घोड़ा प्रकट हुआ था। जिसे देखकर विनिता से कहा कि देखो कितना सुंदर घोड़ा है। कद्रू विनिता को नीचा दिखाना चाहती थी। कद्रू बोली इस घोड़े की पुंछ काली है। फिर कद्रू ने नागों के पास जाकर उनसे कहा कि तुम इस घोड़े पर लिपट जाओ और ताकी उसकी पूंछ काली प्रकट हो। नागों ने ऐसा करने से मना कर दिया और कहा कि हम सत्य के मार्ग पर ही चलेंगे। इससे क्रोधित होकर कद्रू ने अपने पुत्रों को ही श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि पांडव वंश में राजा जनमेजय होंगे जो नागों का विनाश करने के लिएसर्प मेध यज्ञ करवाएंगे। उनके यज्ञ में जलकर तुम सभी मर जाओगे। श्राप मिलने के बाद नाग पुत्र दुखी हुए और वह वासुकी नाग को आगे कर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। ब्रह्मा जी बोले चिंता मत करो। तुम्हारी एक बहन होगी जरत्कारु उनका विवाह जरत्कारु नाम के ऋषि से ही होगा। इन दोनों से आस्तिक नामक पुत्र उत्पन्न होगा। वह इस यज्ञ को रोकेगा और नागों की रक्षा करेगा। जिसे सुनकर नाग बहुत प्रसन्न हुए। समय आने पर राजा जनमेजय ने राजा

परीक्षित की सर्प द्वारा मृत्यु होने पर नाग वंश का नाश करने के लिए सर्प मेध यज्ञ का आयोजन किया। इस यज्ञ में लाखों करोड़ों नाग जलकर भस्म होने लगे जब आस्तिक मुनि वहां पहुंचे और उन्होंने नाग यज्ञ को रुकवाया और नागों के ऊपर ठंडा दूध डाला। जिससे नागों के शरीर को ठंडक मिली साथ ही धान का लावा रखा। इससे नागों की जीवन बच गया। नागों की अस्तित्व धरती पर रह गया। जिस दिन ब्रह्माजी ने नागों के बचने का वरदान दिया था।जिस दिन ब्रह्मा जी ने नागों के बचने का वरदान दिया था। उस दिन पंचमी तिथि थी। जिस दिन आस्तिक मुनि ने यज्ञ को रुकवाकर नागों को बचाया उस दिन भी पंचमी तिथि थी। नागों ने वचन दिया की जो भी व्यक्ति आस्तिक मुनि का नाम लेगा वहां से वह बिना किसी को नुकसान पहुंचाए चले जाएंगे। साथ ही नाग पंचमी के दिन जो व्यक्ति लकड़ी, मिट्टी, गोबर से नाग बनाकर उन्हें फूल, दूध धान लावा से पूजे करेंगे उनको और उनके परिवार को नाग भय नहीं रहेगा। इस तरह नागपंचमी व्रत पूजा की शुरुआत हुई और नागों को पंचमी तिथि प्रिय हुआ। जैन दर्शन के अनुसार भगवान् पार्श्वनाथ की मूर्तियों में सर्प का चिन्ह उनका प्रतीक होता है .मुनि पार्श्वनाथ के समय एक व्यक्ति कुल्हाड़ी से एक लकड़ी को काट रहा था ,वहां से जाते समय मुनि राज ने उससे बोले की इस लकड़ी के अंदर एक सर्प युगल हैं ,उन्होंने उस युगल सर्प को बचाया यह देखकर धर्मेंद्र और पद्मावती मुनिराज पार्श्वनाथ को उस उपसर्ग से बचाने की कोशिश करने से खुद को रोक नहीं पाए। धर्मेंद्र सर्प बन कर मुनिराज के सिर पर रख दिया, जबकि पद्मावती उससे और ऊपर चली गई और उसके फन से एक छत्र बना दिया। कुछ समय बाद जब मुनिराज पार्श्वनाथ को ज्ञान की प्राप्ति हुई, तो कमठ उनकी तपस्या से प्रसन्न हो गए और उनके चरणों में प्रणाम करते हुए उपसर्ग को रोक दिया। कुछ समय बाद जब मुनिराज पार्श्वनाथ को ज्ञान की प्राप्ति हुई, तो कमठ उनकी तपस्या से प्रसन्न हो गए और उनके चरणों में प्रणाम करते हुए उपसर्ग को रोक दिया। इसके अलावा सर्प हमारे जलवायु और खेती में लाभकारी होते हैं .इनकी हिंसा न करके इनके प्रति दया भाव रखना चाहिए।

# अब तक की सबसे कम उम्र की आध्यात्मिक राष्ट्रपति!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

मात्र 64 साल की उम्र में राष्ट्रपति बनी द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले में रहने वाले एक संथाल आदिवासी परिवार से आती हैं। राजनीति में आने से पहले वो एक स्कूल में अध्यापिका थीं। उनके पिता और दादा दोनों अपने अपने समय में सरपंच थे। वह खुद सन 1997 में बीजेपी से जुड़ीं और नगर पंचायत में सभासद चुनी गईं। फिर जल्दी ही उन्होंने विधायक बनकर ओडिशा सरकार में मंत्री बनने का भी सफ़र पूरा किया।मई 2015 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल बनाया गया।

गोंड और भील के बाद संथाल देश के तीसरे सबसे बड़े आदिवासी समुदाय हैं।सन 2011 की जनगणना के मुताबिक देश में उनकी कुल आबादी 70 लाख से ज्यादा है।ये आदिवासी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड समेत सात राज्यों में पाए जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से ये मूल रूप से खेती बाड़ी और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहे हैं।

आदिवासी समुदायों में सामान्य रूप से शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं होता और संथाल इस संदर्भ में विशेष रूप से पिछड़े हुए हैं। इनके आर्थिक हालात अच्छे नहीं होते और देश में अधिकांश संथाल गरीब हैं।सन2011 की जनगणना के मुताबिक पश्चिम बंगाल के संथालों में साक्षरता दर सिर्फ 54.72 प्रतिशत थी।मुर्मू का राष्ट्रपति बनना आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का प्रतीक है।द्रौपदी ने पूरे जीवन में बहुत संघर्ष किया है। यह अथक संघर्ष का फल है। वह बहुत ही

विनम्र और जमीन से जुड़ी महिला है। हर सुख और दुख में हमेशा साथ रहते हैं। उनकी सभी उपलब्धियां उनकी कड़ी मेहनत और संघर्ष का फल हैं। वह जब भी गांवों में आती हैं तो परिवार के बच्चों के लिए हमेशा चॉकलेट लेकर आती हैं। द्रौपदी मुर्मू ने साबित कर दिया कि महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं। महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और कुछ भी हासिल कर सकती हैं।द्रौपदी का जन्म ओडिशा के मयूरगंज जिले के बैदपोसी गांव में 20 जून सन 1958 को हुआ था। द्रौपदी संथाल आदिवासी जातीय समूह से संबंध रखती हैं। उनके पिता बिरांची नारायण टुडू एक किसान थे। द्रौपदी के दो भाई हैं। भगत टुडू और सरैनी टुडू।द्रौपदी की शादी श्यामाचरण मुर्मू से हुई। उनसे दो बेटे और दो बेटी हुईं। साल 1984 में एक बेटी की मौत हो गई। द्रौपदी का बचपन बेहद अभावों और गरीबी में बीता। लेकिन अपनी स्थिति को उन्होंने अपनी मेहनत के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने भुवनेश्वर के रमादेवी विमेंस कॉलेज से स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की। बेटी को पढ़ाने के लिए द्रौपदी मुर्मू शिक्षक बन गईं।उन्होंने सन1979 से सन 1983 तक सिंचाई और बिजली विभाग में जूनियर असिस्टेंट के रूप में भी कार्य किया। इसके बाद सन 1994 से सन 1997 तक उन्होंने ऑनरेरी असिस्टेंट टीचर के रूप में कार्य किया था।

सन 1997 में उन्होंने पहली बार चुनाव लड़ा। ओडिशा के राइरांगपुर जिले में नगर पंचायत सभासद चुनी गईं। इसके बाद वह जिला परिषद की उपाध्यक्ष भी चुनी गईं। वर्ष 2000 में वह विधानसभा चुनाव लड़ीं। राइरांगपुर विधानसभा से विधायक चुने जाने के बाद उन्हें बीजद और भाजपा गठबंधन वाली सरकार में स्वतंत्र प्रभार का राज्यमंत्री बनाया गया।

सन 2002 में मुर्मू को ओडिशा सरकार में मत्स्य एवं पशुपालन विभाग का राज्यमंत्री बनाया गया। सन 2006 में उन्हें भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। सन 2009 में वह राइरांगपुर विधानसभा से दूसरी बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतीं। इसके बाद सन 2009 में वह लोकसभा चुनाव भी लड़ीं, लेकिन जीत नहीं पाईं।सन 2015 में द्रौपदी को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया। सन 2021 तक उन्होंने राज्यपाल के तौर पर अपनी सेवाएं दीं। मुर्मू देश की पहली आदिवासी हैं जो राष्ट्रपति के पद तक पहुंची। आज तक कोई भी राष्ट्रपति आदिवासी समाज से नहीं बना है। पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड भी मुर्मू के नाम दर्ज हो गया।

## सूडोकु नवताल- 6150

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | | | | | | 5 | | |
| | 1 | | | 8 | | | | 9 |
| 7 | | | | | 4 | | | |
| | | | 9 | | | 1 | | |
| | 3 | | | | | | 6 | |
| | | 8 | | | 5 | | | |
| | | | 3 | | | | | 8 |
| 5 | | | | 6 | | | 2 | |
| | | 4 | | | | | | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

### सूडोकु नवताल -6149 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 6 | 8 | 5 | 1 | 4 | 9 | 7 |
| 9 | 4 | 5 | 7 | 6 | 3 | 8 | 2 | 1 |
| 1 | 7 | 8 | 2 | 9 | 4 | 6 | 5 | 3 |
| 3 | 1 | 9 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 | 8 |
| 5 | 6 | 2 | 1 | 4 | 8 | 3 | 7 | 9 |
| 7 | 8 | 4 | 5 | 3 | 9 | 1 | 6 | 2 |
| 4 | 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 7 | 8 | 6 |
| 8 | 2 | 7 | 4 | 1 | 6 | 9 | 3 | 5 |
| 6 | 5 | 3 | 9 | 8 | 7 | 2 | 1 | 4 |

## ये न्याय है या मज़ाक ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह शुभ-संकेत है कि भारत की न्याय-व्यवस्था की दुर्दशा पर हमारे प्रधानमंत्री और प्रमुख न्यायाधीशों ने आजकल खुलकर बोलना शुरु किया है। हम आजादी का 75 वाँ साल मना रहे हैं लेकिन कौनसी आजादी है, यह! यह तो सिर्फ राजनीतिक आजादी है याने अब भारत में ब्रिटिश महारानी की जगह राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्राइम मिनिस्टर की जगह प्रधानमंत्री को दे दी गई है। हमारे चुने हुए सांसद और विधायक कानून भी बनाते हैं। लेकिन यह तो औपचारिक राजनीतिक आजादी है लेकिन क्या देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक आजादी मिली है? क्या हम भारत में समतामूलक समाज का निर्माण कर पाए हैं? ये काम भी कहने हद तक हुए हैं लेकिन ये हुए हैं, हाशिए के तौर पर! मूल पन्ने पर आज भी अंग्रेज की गुलामी छाई हुई है। सिर्फ तीन क्षेत्रों को ही ले लें। शिक्षा, चिकित्सा और न्याय! इन तीनों क्षेत्रों में जो गुलामी पिछले दो सौ साल से चली आ रही है, वह ज्यों की त्यों है। हमारे प्रधानमंत्री लोग और न्यायाधीशगण इस गुलामी के खिलाफ आजकल खुलकर बोल रहे हैं लेकिन उन्हें पता नहीं है कि इस गुलामी से भारत को छुटकारा कैसे दिलाया जाए। शिक्षा और चिकित्सा पर तो मैं पहले लिख चुका हूं। इस बार न्याय की बात करें। हमारी अदालतों में इस समय 4 करोड़ 70 लाख मुकदमे लटके पड़े हुए हैं। इनमें से 76 प्रतिशत ऐसे कैदी हैं, जिनके मामले अदालतों में विचाराधीन हैं। उनका जुर्म सिद्ध नहीं हुआ है लेकिन वे 10-10 साल से जेल काट रहे हैं। 10-15 साल जेल काटने के बाद अब अदालतें उन्हें निर्दोष सिद्ध करती हैं तो क्या उन्हें कोई हर्जाना मिलता है? क्या उन पुलिसवालों और एफआईआर लिखानेवालों को कोई सजा मिलती है? इसके अलावा अदालती कार्रवाई इतनी लंबी और मंहगी है कि भारत के ज्यादातर लोग उसका फायदा ही नहीं उठा पाते। 76 प्रतिशत उक्त कैदियों में से 73 प्रतिशत दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक लोग होते हैं। अंग्रेजी में चलनेवाली अदालत बहस और फैसले किसी जादू-टोने से कम नहीं होते। वादी और प्रतिवादी को पल्ले ही नहीं पड़ता कि उनके मामलों में बहस क्या हुई है और फैसले का आधार क्या है? हमारे जज और वकील बड़े योग्य होते है लेकिन उनकी सारी शक्ति को अंग्रेजी ही चाट लेती है। यदि हमारी सरकारें, न्यायाधीश और वकील लोग उक्त कमजोरियों का समाधान खोजने लगें तो देश में सच्ची न्यायिक आजादी कायम हो सकती है।

# बद्रीनाथ धाम से जुड़ी है ये मान्यता

बद्रीनाथ धाम हिन्दुओं के चार धामों में से एक धाम है। यह अलकानंदा नदी के किनारे उत्तराखंड राज्य में स्थित है। यहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। बद्रीनाथ धाम से जुड़ी ये बातें अहम हैं।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी एक मान्यता है कि जो आए बदरी, वो न आए ओदरी। इसका मतलब जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन एक बार कर लेता है उसे दोबारा माता के गर्भ में नहीं प्रवेश करना पड़ता।

बद्रीनाथ के बारे में कहा जाता है कि यहां पहले भगवान भोलेनाथ का निवास हुआ करता था लेकिन बाद में भगवान विष्णु ने इस स्थान को भगवान शिव से मांग लिया था।

बद्रीनाथ धाम दो पर्वतों के बीच बसा है। इन्हें नर नारायण पर्वत कहा जाता है। कहा जाता है कि यहां भगवान विष्णु के अंश नर और नारायण ने तपस्या की थी। नर अपने अगले जन्म में अर्जुन तो नारायण श्री कृष्ण के रूप में पैदा हुए थे।

मान्यता है कि केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट खुलते हैं। उस समय मंदिर में जलने वाले दीपक के दर्शन का खास महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि 6 महीने तक बंद दरवाजे के अंदर देवता इस दीपक को जलाए रखते हैं।

बद्रीनाथ के पुजारी शंकराचार्य के वंशज होते हैं। कहा जाता है कि जब तर यह लोग रावल पद पर रहते हैं इन्हें ब्रह्माचर्य का पालन करना पड़ता है। इन लोगों को लिए स्त्रियों का स्पर्श वर्जित माना जाता है.

केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि केदारनाथ के रावल के निर्देशन में उखीमठ में पंडितों द्वारा तय की जाती है। इसमें सामान्य सुविधाओं के अलावा परंपराओं का ध्यान रखा जाता है। यही कारण है कि कई बार ऐसे भी मुहुर्त भी आए हैं जिससे बदरीनाथ के कपाट केदारनाथ से पहले खोले गए हैं जबकि आमतौर पर केदारनाथ के कपाट पहले खोले जाते हैं।

### बद्रीनाथ मंदिर का इतिहास

यह अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। ये पंच-बदरी में से एक बद्री हैं। उत्तराखंड में पंच बदरी, पंच केदार तथा पंच प्रयाग पौराणिक दृष्टि से तथा हिन्दू धर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

### बद्रीनाथ मंदिर का निर्माण

सोलहवीं सदी में गढ़वाल के राजा ने मूर्ति को उठवाकर वर्तमान बद्रीनाथ मंदिर में ले जाकर उसकी स्थापना करवा दी।

# यहां है भगवान परशुराम का तप स्थल

झारखंड के गुमला जिले में भगवान परशुराम का तप स्थल है। यह जगह रांची से करीब 150 किमी दूर है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने यहां शिव की घोर उपासना की थी। यहीं उन्होंने अपने परशु यानी फरसे को धरती पर रख दिया था। इस फरसे की ऊपरी आकृति कुछ त्रिशूल से मिलती-जुलती है। यही वजह है कि यहां श्रद्धालु इस फरसे की पूजा के लिए आते है। वहीं शिव शंकर के इस मंदिर को टांगीनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि टांगीनाथ धाम में साक्षात भगवान शिव निवास करते हैं।

### त्रिशूल को पूजते हैं

लोग शिवरात्रि के अवसर पर ही श्रद्धालु टांगीनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। यहां स्थ?त एक मंदिर में भोलेनाथ शाश्वत रूप में हैं। स्थानीय आदिवासी ही यहां के पुजारी है और इनका कहना है कि यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है महर्षि परशुराम ने यहीं अपने परशु यानी फरसे को रख दिया था। स्थानीय लोग इसे त्रिशूल के रूप में भी पूजते हैं। आश्चर्य की बात ये है कि इसमें कभी जंग नहीं लगता। खुले आसमान के नीचे धूप, छांव, बरसात- का कोई असर इस त्रिशूल पर नहीं पड़ता है।

### पौराणिक महत्व

त्रेता युग में जब भगवान श्रीराम ने जनकपुर में आयोजित सीता माता के स्वयंवर में शिव जी का धनुष तोड़ा तो वहां पहुंचे भगवान परशुराम काफी क्रोधित हो गए। इस दौरान लक्ष्मण से उनकी लंबी बहस हुई और इसी बीच जब परशुराम को पता चला कि भगवान श्रीराम स्वयं नारायण ही हैं तो उन्हें बड़ी आत्मग्लानि हुई। वह पश्चाताप करने के लिए घने जंगलों के बीच एक पर्वत श्रृंखला में आ गए। यहां वे भगवान शिव की स्थापना कर आराधना करने लगे।

### शनिदेव से भी जुड़ी है गाथा

टांगीनाथ धाम का प्राचीन मंदिर रखरखाव के अभाव में ढह चुका है और पूरा इलाका खंडहर में तब्दील हो गया है लेकिन आज भी इस पहाड़ी में प्राचीन शिवलिंग बिखरे पड़े हैं। यहां मौजूद कलाकृतियां- नक्काशियां और यहां की बनावट देवकाल की कहानी बयां करती हैं। साथ ही कई ऐसे स्रोत हैं, जो त्रेता युग में ले जाते हैं। वैसे एक कहानी और भी है। कहते हैं कि शिव इस क्षेत्र के पुरातन जातियों से संबंधित थे। शनिदेव के किसी अपराध के लिए शिव ने त्रिशूल फेंक कर वार किया तो वह इस पहाड़ी की चोटी पर आ धंसा। उसका अग्र भाग जमीन के ऊपर रह गया जबकि त्रिशूल जमीन के नीचे कितना गड़ा है, यह कोई नहीं जानता।

# वास्तुदोष, ऐसे करें दूर

हम जिस घर में रहते हैं उस घर का वास्तु सम्मत होना बेहद जरूरी होता है। चाहे वह किराए का घर हो या फिर आपका निजी महान हो, दोनों ही स्थितियों में घर का वास्तुदोष से मुक्त होना जरूरी होता है। अक्सर ऐसा होता है कि हम समझ नहीं पाते कि वास्तुदोष होने पर क्या उपाय किए जाने चाहिए। तोड़-फोड़ न हो इस चिंता से हम इनकी अनदेखी कर देती हैं और ये ही दोष हमारे लिए समस्या खड़ी कर देते हैं जबकि बिना तोड़फोड़ किए भी इन दोषों को दूर किया जा सकता है। आइए जानते हैं दोष और उनके उपाय।

### मुख्य द्वारा उत्तर-पश्चिम कोण में हो

अगर आपके घर का मुख्य द्वार उत्तर-पश्चिम कोण में हो तो दरवाज के दोनों ओर ऊं, स्वास्तिक, एवं त्रिशूल लगाएं। दरवाजे के बाहर पिरामिड लगाएं।

### उत्तर-पूर्व में रसोई हो तो

अगर आपके घर में रसोई उत्तर-पूर्व दिशा में है तो उसे ठीक करने के लिए रसोई घर के बाहर या ऊपर की दिशा में दीवार पर 18 गुणा 18 का समतल दर्पण लगाएं। इसके अलावा उत्तर-पूर्व कोण में पिरामिड भी रख सकते हैं।

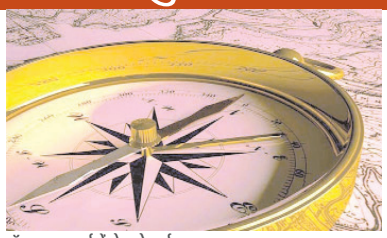

### टॉयलट उत्तर-पूर्व में होना दोषपूर्ण

उत्तर-पूर्व दिशा में देवी-देवताओं का वास माना जाता है, इसलिए टॉयलट का इस दिशा में होना बहुत ही दोषपूर्ण माना जाता है। इसे दूर करने के लिए आप टॉयलट में कटोरी में भरकर समुद्री नमक रखें। इसे हर 15 से 20 दिन में बदलते रहें और पुराने नमक को पानी में बहा दें। टॉयलट के बाहर उत्तरी या पूर्वी दीवार में से जो भी बड़ी हो उस पर समतल दर्पण लगाएं।

### 5/7दक्षिण-पूर्व या दक्षिण पश्चिम में प्रवेश द्वार

अगर आपके घर में प्रवेश द्वार दक्षिण-पश्चिम या फिर दक्षिण-पूर्व दिशा में हो तो दरवाजे के दोनों ओर ऊं, स्वास्तिक और पिरामिड लगाएं। 5 से 7 छड़ी वाला विंड चाइम भी लगा सकते हैं।

### उत्तर-पूर्व भाग टूटा या फिर कटा हुआ हो

अगर आपके घर में उत्तर-पूर्व भाग कटा हुआ या फिर टूटा हो तो उसकी दीवार पर बड़ा सा दर्पण लगा सकते हैं।

### घर में पेड़ हो इस दिशा में

यदि आपके घर के परिसर में कोई पेड़ आग्नेय कोण की दिशा में है तो इसे दोष कहा जाएगा। इसे दूर करने के लिए उसके तल में सांयकाल रोजाना एक आठे का दीपक या फिर अगरबत्ती जरूर जलाएं।

### आग्नेय कोण में न हो कुंआ या जल स्रोत

घर के आग्नेय कोण में कुंआ या फिर कोई अन्य जल स्रोत नहीं होना चाहिए। ऐसा होने पर घर की वरिष्ठ महिला और संतान को शारीरिक कष्ट हो सकता है। इससे बचने के लिए उसके आस-पास कहीं फिटकरी का बड़ा सा टुकड़ा रख दें।

# शुभ कार्यों में मंगल की होती है अहम भूमिका

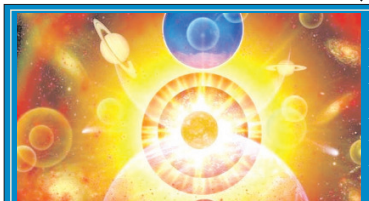

मंगल कार्य में सबसे बड़ी भूमिका स्वयं मंगल की होती है। इसके बाद इसमें तमाम शुभ ग्रहों की भूमिका होती है। गुरु भी शुभ और मंगल कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शनि, राहु और केतु मंगल कार्यों में आम तौर पर बाधा देते हैं। मंगल जब खराब हो तो मंगल कार्य होना एक चुनौती हो जाती है।

### कब घर में शुभ कार्य सरलता से होते हैं?

मंगल ग्रह के अनुकूल होने पर शुभ कार्य आसानी से हो जाते हैं। चन्द्रमा की शुभ दशा होने पर भी मंगल कार्य होते हैं। गुरु के कुंडली में शुभ होने पर भी मंगल कार्यों का संयोग बनता है। साढ़ेसाती या ढैय्या के उतरने पर भी शुभ कार्यों की स्थिति बनती है। किसी संत महात्मा के आशीर्वाद मिलने पर भी ऐसा होता है।

### कब घर में मंगल कार्य नहीं होते?

जीवन में शनि की दशा चलने पर मुश्किल आती है।कुंडली में राहु का प्रभाव खराब होने पर मंगल कार्य नहीं होते हैं।गुरु के अशुभ होने पर भी मंगल कार्य नहीं होते हैं।घर में नियमित कलह क्लेश होने पर भी शुभ कार्यों के योग नहीं बनते हैं।घर के मुख्य द्वार के खराब होने पर भी ऐसी स्थिति बनती है।

### घर में मंगल कार्य कराने के उपाय?

घर में पूजा का स्थान बनाएं और नियमित तौर पर पूजा उपासना करें। घर में सप्ताह में एक बार सामूहिक पूजा जरूर करें। घर में कलह क्लेश कम से कम करें। घर के मुख्य द्वार पर नियमित बंदनवार लगाएं। घर में नियमित भजन कीर्तन की ध्वनि आती रहे तो उत्तम होगा।

# हनुमान जी के ये मंदिर हैं आस्था के केन्द्र

हिन्दू धर्म में रामभक्त हनुमान के पूजन का काफी महत्व और इनकी पूजा करने का सबसे शुभ दिन मंगलवार है। हनुमान जी को कलयुग में भी जीवित देव माना गया है और श्रृद्धाभाव से पूजा करने से वह भक्तों की मनोकामना भी तुरंत पूरी करते है। इनके कई प्रसिद्ध मंदिर हैं जहां पर पूजन करने से आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मान्यताओं के अनुसार अगर इन मंदिरों में भगवान श्रीराम का नाम लेकर कोई भी मुराद मांगी जाए तो वह अवश्य पूरी होती है।

### हनुमान गढ़ी, अयोध्या

अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर के राजा हैं हनुमान जी। मान्यता है कि मंदिर में जब हनुमान जी की आरती होती है, उस समय वरदान मांगने वाले की हर इच्छा पूरी होती है।

कहते हैं कि लंका विजय के बाद हनुमानजी पुष्पक विमान में श्रीराम सीता और लक्ष्मण जी के साथ यहां आए थे। तभी से वो हनुमानगढ़ी में विराजमान हो गये। मान्यताओं के अनुसार जब भगवान राम परमधाम जाने लगे तो उन्होंने अयोध्या का राज-काज हनुमान जी को ही सौंपा था।

### पंचमुखी हनुमान, कानपुर

कानपुर के पनकी में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर की महिमा भी बड़ी निराली है। यहीं पर हनुमान जी और लवकुश का युद्ध हुआ था। युद्ध के बाद माता सीता ने हनुमान जी को लड्डू खिलाए थे, इसीलिए इस मंदिर में भी उन्हें लड्डुओं का ही भोग लगता है। यहां आने वाले भक्तों की सारी इच्छायें सिर्फ लड्डू चढ़ाने से ही पूरी हो जाती हैं।

### हनुमान मंदिर, झांसी

झांसी के हनुमान मंदिर में हैरानी की बात ये है कि यहां हर दिन सुबह पानी ही पानी बिखरा रहता है और कोई नहीं जानता कि ये पानी आता कहां से है। यहां हनुमान जी की पूजा-पाठ इसी पानी के बीच ही पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस मंदिर के पानी का औषधीय गुणों से भरपूर है और इस पानी से चर्म रोग दूर होता है।

### बंधवा हनुमान मंदिर, विन्ध्याचल

विन्ध्याचल पर्वत के पास विराजते हैं बंधवा हनुमान। यहां पर ज्यादातर लोग शनिदेव के प्रकोप से बचने के लिए पूजन करने आते हैं। यहां पर शनिवार को लड्डू, तुलसी और फूल चढ़ने से साढ़ेसाती का प्रभाव कम होता है।

### मूर्छित हनुमान मंदिर, इलाहाबाद

कहते हैं हनुमान जी संगम किनारे भारद्वाज ऋषि से आशीर्वाद लेने आये थे लेकिन वह इतने कमजोर हो गये थे कि उन्होंने प्राण त्यागने का निर्णय लिया। तभी मां सीता आईं और उन्होंने सिंदूर का लेप लगाकर उन्हें नया जीवन दान दिया। इसी मान्यता के अनुसार यहां पर जो भी भक्त, हनुमान जी को लाल सिंदूर का लेप करते हैं, उसकी सभी कामनाओं पूरी होती हैं।

### यहां होती है खंडित हनुमान प्रतिमा की पूजा

माना जाता है कि चंदौली के कमलपुरा गांव में बरगद के पेड़ से हनुमान जी प्रकट हुए थे. यहां पर बरगद से प्रकट हुए हनुमानजी की खंडित प्रतिमा की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि बरगद वाले हनुमान भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

# अधिकारी की सेवानिवृत्ति प्रशासनिक प्रक्रिया का अंग है: ऊर्जा मंत्री

## वरिष्ठ परीक्षण पर्यवेक्षक प्रवीण भटनागर की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

**महेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग**

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी एसटीएम ग्वालियर में पदस्थ वरिष्ठ परीक्षण पर्यवेक्षक प्रवीण भटनागर की सेवानिवृत्ति पर शहर के होटल सुगर पाम में आयोजित विदाई समारोह में शिवराज सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रिया में हर अधिकारी-कर्मचारी की जिन्दगी में एक दिन आता है, जब उसे सरकारी सेवा से भारमुक्त होना पड़ता है, लेकिन ऐसे बहुत कम या यूं कहें कि विरले ही अधिकारी होते हैं, जिनके सेवानिवृत्त होने पर विभाग को उनकी कमी खलती है। प्रवीण भटनागर भी ऐसे ही उन अधिकारियों में शुमार हैं, जिन्होंने अपने 43 साल के सरकारी सेवाकाल में बिना एक भी दिन का अवकाश लिए पूरी शिद्दत के साथ सरकार और समाज की सेवा की।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विभाग को ऐसा व्यक्तित्व निकट भविष्य में मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इनके सकारात्मक व्यक्तित्व को लेकर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के बीच की उदाहरण सुने हैं। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ परीक्षण पर्यवेक्षक प्रवीण भटनागर के उज्जवल और यशस्वी जीवन की मंगलकामना करते हुए उन्हें %शाल, श्रीफल और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने सम्मान में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ परीक्षण पर्यवेक्षक प्रवीण भटनागर ने कहा कि विभाग में सभी के साथ काम करते हुए 43 साल कब बीत गये, पता ही नहीं चला। विभागीय सहयोगी अधिकारी-कर्मचारियों के अपनेपन, प्यार और स्नेह की वजह से मुझे यह कभी नहीं लगा की मैं एक सरकारी मुलाजिम हूँ, बल्कि आप सभी के साथ काम करते हुए जो अनुभव मुझे मिला है, वह आगे के जीवन मे बहुत काम आने वाला है। इसलिए कई बार मुझे ऐसा लगता है, की मैंने इस कंपनी के लिए कोई योगदान नहीं दिया। बल्कि इस कंपनी ने मुझे एक काबिल व्यक्ति बनाकर मेरे जीवन में अधिक योगदान दिया है। यहाँ रहते हुए मैंने योजना निर्माण, कार्यकुशलता, ईमानदारी और प्रतिबद्धता जैसे कई गुणो को सीखा है। इसके साथ-साथ समय का सही सदुपयोग करना भी मैंने यहाँ से सीखा है। यहा पर मैंने अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीखकर खुद में एक आत्मविश्वास विकसित किया है। मुझे उम्मीद है कि, आप सभी लोग इसी तरह कंपनी में कड़ी मेहनत करेंगे और कंपनी को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस अवसर पर समारोह में गजल और गीत संध्या भी आयोजित की गई जिसमें सुप्रसिद्ध कवि धनश्याम भारती, राहुल गुप्ता स्पर्शी, अजय बाजपेयी, गोविन्द पहलवान सहित अन्य कवियों ने अपनी रचनाओं से स्त्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस मौके पर मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के वर्तमान और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, साहित्यिक, सामाजिक एवं अन्य संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद थे।

# आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम संपन्न

**महेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग**

**गोहद-भिंड।** संपूर्ण देश में आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है ताकि भारतीय संस्कृति संस्कार और अनवरत संघर्ष की वास्तविकता से जन-जन को परिचित कराया सके इसी क्रम में आज गोहद नगर के शासकीय राज छवि खुरासिया माध्यमिक विद्यालय कैंपस में आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया इस आयोजन में विद्यालय परिवार के सदस्यों और वक्ताओं द्वारा भारतीय सनातन संस्कृति और गौरव गरिमा के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए तथा शहीदों के बलिदानों का स्मरण करते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा भारत के महान वीरों की गौरव गाथाओं का स्मरण करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद शर्मा प्रचार प्रमुख विद्या भारती मध्य भारत सह तहसील कार्यवाह गोहद निरंजन कंसाना विद्यालय के प्रधानाध्यापक आचार्य बृज मोहन शर्मा विद्यालय परिवार के करण सिंह चौरसिया बृज बिहारी शर्मा श्यामसुंदर राठौर रविंद्र सोनी श्रीमती कलावती जार्ज श्रीमती किरण शुक्ला सुनीता अर्गल रेखा प्रजापति एवं गणमान्य जन एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम पूर्ण हुआ।

# एन एस एस ने मनाया स्वाधीनता का अमृत महोत्सव

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड ।** स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर आज़ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमे भारत माता का वंदन,आरती के साथ देश को आजाद कराने वाले नायकों शहीदे आजम भगत सिंह, तात्याटोपे,लक्ष्मीबाई, सुभाषचंद्र बोस,चंद्रशेखर आजाद,गांधीजी आदि के जीवन पर प्रकाश डाला गया। प्राचार्य पी एस चौहान ने कहा कि एक बहुत लंबे और कड़े संघर्ष के बाद हमे आजादी मिली है,जिसमे लाखों लोगों ने कुर्बानियां दी है,उन्हे याद करना,उनका सम्मान करना हमारा नैतिक दायित्व है। एनएसएस अधिकारी धीरज सिंह गुर्जर ने कहा कि शहीदों के शौर्य और साहस के किस्से पढ़कर रोमांच होने लगता है,राष्ट्र के प्रति उनके प्रेम,समर्पण और कुर्बानियों को भुलाया नही जा सकता।उन्हे याद कर हम गौरवान्वित महसूस करते हैं। देश की रक्षा के लिए हर पल तैयार रहना ही इनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सतेंद्र सिंह भदौरिया ने राष्ट्र कवि की पंक्तियां प्रस्तुत करते हुए कहा -मुझे तोड़ लेना वनमाली उस पथ पर तुम देना फेंक, मातृ भूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।आज हमे अपने सेनानियों की वजह से आज़ाद है, अब इसकी हिफाजत करने की जिम्मदारी हम सब भारतीयों की है।

कार्यक्रम में व्याख्याता आर बी शर्मा, डी डी दीक्षित,धीरज त्रिपाठी,राघवेंद्र शर्मा, सतेंद्र सिंह भदौरिया,धीरज सिंह गुर्जर,यतींद्र शर्मा,उपेंद्र भदौरिया, प्रीती व्यास सहित स्टॉफ एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

# मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती पर आयोजित हुई काव्य गोष्ठी

**ब्यूरो पुष्पांजली टुडे**

**सीहोर।** शहर के पावर हाऊस चौराहे पर स्थित मां मंशा देवी मंदिर पर साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती, सुप्रसिद्ध गायक मो. रफी एवं शहीद ऊधम सिंह की पुण्य तिथि के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन सृजन साहित्य परिषद के तत्वाधान में किया गया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता सृजन साहित्य परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ गीतकार श्री रमेश गोहिया ने की। इस अवसर पर उपस्थित कवियों ने मुंशी प्रेमचंद्र के जीवन पर प्रकाश डाला। सरस्वती वंदना जोरावर सिंह ने की। इसमें कवि रामनारायण राठौर, हरीशचंद्र आर्य, विनोद पंसारी, द्वारिका बांसुरिया, नारायण नवरंग, संतोष गोस्वामी सहज शुजालपुर, सुरेश जायसवाल, जोरावर सिंह, डा विजेन्द्र जायसवाल, लक्ष्मण चौकसे, हीरालाल शर्मा, जितेन्द्र राठौर, संजीत धुर्वे, रामसिंह परमार ने अपनी चुनिंदा रचनाओं का पाठ किया। इस अवसर पर रामस्वरूप सेन, संतोष दशहरिया, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा बिजेन्द्र जायसवाल ने किया। काव्य गोष्ठी में पधारे कवियों का आभार संस्था के विनोद पंसारी विनोद पंसारी ने व्यक्त किया।

# डॉ.अमित यादव ने MBBS की परीक्षा उत्तीर्ण कर की डिग्री प्राप्त

## मित्रो व परिवारजनों ने दी बधाईयां

**अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे**

**दबोह-** दबोह क्षेत्र की ग्राम पंचायत रमपुरा के निवासी डॉ.अमित यादव ने शासकीय मेडिकल कॉलेज ग्वालियर से स्नातक फाइनल ईयर की परीक्षा उत्तीर्ण कर स्नातक की डिग्री प्राप्त कर ली है।यहां बता दें कि डॉ.अमित यादव मूलतः भिण्ड जिले के दबोह क्षेत्र के ग्राम रमपुरा निवासी अंगद सिंह यादव(रिटायर्ड फौजी)के पुत्र हैं।और उनके पिता जी अब फौज से रिटायर्ड होने के बाद घर पर ही खेती बाड़ी करते हैं।डॉ.अमित यादव की बचपन से ही पढ़ने के रुचि रही है है और हमेसा उनके परिवार वालो ने भी उनका हर समय पर साथ भी दिया।डॉ.अमित यादव को ऊंचाइयों पर बढ़ता देख उनके परिवारजनो समेत मित्रो व समाज के लोगो ने उन्हें बधाई प्रेषित की हैं।साथ ही धर्मेंद्र यादव गजराजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर पैथोलॉजी विभाग ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।डॉ.अमित यादव की इस तरक्की पर उनके पिता ने कहा कि मैंने वर्षो फौज में रहकर देश की सेवा की और मेरे बेटे ने मेरा नाम रोशन कर मुझे और भी गौरवान्वित महसूस कराया है।अमित को बधाई देने वालो में निशांत यादव,अनुराग यादव,मोनू,गुड्डू,शिया,श्यामू कौरव आदि नाम शामिल हैं।

# फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा जमाहर उप स्वास्थ्य केंद्र पर महिलाओं की बच्चे दानी के कैंसर की प्रारंभिक जांच शिविर का आयोजन संपन्न

**अमित शर्मा पुष्पांजली टुडे**

**ग्वालियर।** फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर ब्रांच द्वारा संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित जी के मार्गदर्शन में जमाहर उप स्वास्थ्य केंद्र पर महिलाओं को कैंसर स्क्रीनिंग कल्पोस्कोपी की जाँच निशुल्क की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जमाहर उप स्वास्थ्य की प्रभारी श्रीमती मिथलेश पटेरिया जी उपस्थित थी। उन्होंने सभी को स्तनपान पर जानकारी दी स्तनपान से बच्चों को होने वाले लाभ व बीमारियों से बचने के बारे में बताया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेंद्र सिंह कुशवाह उपस्थित थे। उन्होंने सभी को महिला स्वास्थ्य एवं कल्पोस्कोपी जाँच के बारे में विस्तार से समझाया एवं इसके फायदे पर जानकारी दी। कार्यक्रम में स्टाफ नर्स श्रीमती अरुणा राजपूत द्वारा सभी को गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं कैल्शियम दवा के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम में संस्था की ओर कु. रानी नरवरिया द्वारा सभी महिलाओं की कल्पोस्कोपी की जाँच की गई। शिविर को सफल बनाने में क्षेत्रीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता एवं दीपा सेंगर, मुस्कान रावत,भारती पाल,शिविर के माध्यम से कुल 15 महिलाओं की जाँच की गई। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

# दादा कोटेश्वर धाम में शिवभक्तों ने चढ़ाया आस्था का जल

## ढोल नगाड़ों और डीजे की धुन के साथ पंहुचे कांवड़िये , भव्य भंडारे का हुआ आयोजन

**रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट**

जिले के लांजी मुख्यालय में 108 उपज्योर्तिलिंगो में सम्मिलित दादा कोटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं का वर्ष भर हुजूम लगा रहता है। यहां मन्नत पूर्ण होने पर सोमवार दिन अभिषेक हवन- पूजन व भण्डारे होते रहते हैं। वहीं एक ओर पवित्र सावन मास में जंहा मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है तो वहीं दूसरी ओर कांवड़िए आस्था के साथ जल लेकर दुर दुर से डीजे की धुन पर भक्ति गीतों के साथ नगें पांव नाचते झूमते चलें आते हैं। और दूसरी ओर दादा कोटेश्वर के भक्त परिवार सहित पहुंचकर दादा को श्रद्धा की बेलपत्री के साथ आस्था का जल चढ़ाकर मन्नतें भी रखते हैं। सावन के तिसरे सोमवार को सुबह से ही मंदिरों में शिवभक्तों की भीड़ लगी रही व कतार बंद होकर भक्तों ने बाबा को जल चढ़ा कर माथा टेका एवं आशीर्वाद लिया। बता दें कि तेज धूप और भिषण गर्मी की उबाल होने के बाद भी सुबह से देर शाम तक भक्तों ने बाबा कोटेश्वर के दर्शन करने कतारबद्ध नज़र आएं।

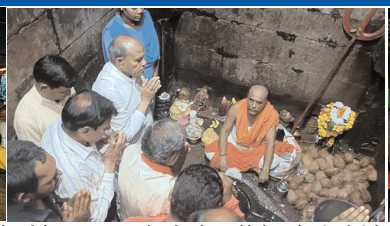

### श्रद्धालुओं ने कांवड़ से लाकर चढ़ाया जल

सावन मास के चलते जहां जगह-जगह पूजा अर्चना की जा रही है। वहीं दूसरी ओर श्रद्धालु कांवड़िए दूर-दूर से जल लाकर दादा कोटेश्वर महादेव को जल चढ़ाकर अभिषेक कर रहे हैं। चहेली के अलावा अनेकों स्थानों से पहुंचे कांवड़ियों ने बाबा को जल चढ़ा कर अभिषेक पूजन किया जो देर शाम तक चलते रहा।

### बाघ नदी, वैनगंगा नदी, सोन नदी से लाया जल चढ़ाया भक्तों ने

महाकाल के भक्तों ने बाघ नदी के संगम स्थल से, वैनगंगा नदी से एवं सोन नदी से जल लाकर दादा कोटेश्वर महादेव पर अर्पित कर अपनी मन्नतें मांगी। बम भोले सेवा समिति बम्हनगांव के द्वारा ग्राम मुंडेसरा से दादा कोटेश्वर धाम लांजी में कांवड़ यात्रा प्रारम्भ कर मां किरनाई के के पावन धाम में स्थित भगवान शिव जी को जलाभिषेक किया। इस दौरान भक्तों ने बोल बम बम बम के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान किया।

### भव्य भंडारे का हुआ आयोजन, प्रसादी ग्रहण कर धन्य हुए महादेव के भक्त

सावन के त्रतीय सोमवार होने के चलते दादा कोटेश्वर धाम परिसर में सुबह से लेकर शाम तक महा प्रसादी का वितरण होते रहा। जहां भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने दादा कोटेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर महाप्रसादी ग्रहण कर अपने को धन्य माना। सद्भावना मित्र मंडली के द्वारा महाप्रसाद वितरण किया गया।

### नवनिर्वाचित सदस्यों ने मन्नत पूरी होने पर टेका मत्था

हाल ही में सम्पन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सैकड़ों उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें अनेकों उम्मीदवार ने मन्नत मांगी थी कि विजयी मिलें और अपने गांव तथा क्षेत्र के विकास में योगदान दे सकें। जिसके पश्चात त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मन्नत पूरी होने वाले पंच, उपसरपंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य,जिला पंचायत सदस्य ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर ग्राम विकास और शांति हेतु प्रार्थना की तथा देवाधिदेव महादेव को धन्यवाद दिया।

### कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बिच श्रद्धालुओं ने दिया शांति और एकता का परिचय

कोटेश्वर धाम में जल लेकर कांवड़ियों के आगमन को देखते हुए तथा अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं श्रद्धालुओं ने भी कतारबद्ध खड़े होकर शांति के साथ दादा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पुजन अर्चन किया। विकासखंड प्रशासन से एसडीएम ज्योति ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दुर्गेश आर्मो, थाना प्रभारी शंकर सिंह चौहान के साथ-साथ पुलिसकर्मी व अधिकारी भ्रमण कर मंदिरों का जायजा लेते हुए भी नजर आए। भक्तों में दिखी शांति से प्रशासन भी प्रसन्न हुआ।

# समीक्षा की परिभाषा क्या है

किसी भी लेखन को पढ़ कर उसके बारें में बताना समीक्षा कहलाता है। समीक्षक द्वारा की गई टिप्पणी पाठकों को पुस्तक पढ़ने या ना पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। किसी किताब, लेख, कहानी पर आपकी प्रतिक्रिया होती है जो अच्छी या बुरी हो सकती है। समीक्षा से पाठकों को लेखन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिलती है। समीक्षा मतलब समालोचना, किसी भी लेखन की समीक्षा व्यवहारिक आलोचना का एक सशक्त रूप होती है। लेकिन लगता है कि आज यह काम कुछ व्यवहारिक बन है, आजकल रचना और लेखों की समीक्षा निजी संबंधों को निभाने के तौर पर की जाती है, मतलब लेखक को खुश करने का ज़रिया। समीक्षा की स्थिति आज दायित्वहीनता की परकाष्ठा तक पहुंच चुकी है। समीक्षाएं आज विशुद्ध लेन-देन का जरिया बन चुकी है।

एक अच्छे समीक्षक का फ़र्ज़ होता है की लेखक की खूबियों के साथ-साथ कमियों को भी उजागर करें नां कि अच्छी-अच्छी बातें लिखकर मक्खन लगाकर चने के पेड़ पर चढ़ा दे। ऐसी समीक्षा लेखक के विकास को बाधित करती है।

अगर आप किसी प्रतियोगिता में रचनाकारों के लेखन की समीक्षा करते है तो आपकी नज़र में हर प्रतिभागी एक विद्यार्थी जैसा होने चाहिए, किसी खास प्रतिभागी के लिए पक्षपाती वलण आपको अपनी ही नज़र में गिरा देता है। और जैसे एक शिक्षक विद्यार्थी को उसकी गलती पर टोकते है वैसे ही समीक्षक को प्रतिभागियों की कमियां भी बतानी चाहिए ताकि अगली प्रतियोगिता में उस गलती को सुधार सकें। आलोचना करना और सुनना दोनों ही गलत नहीं, इंसान गलतियों से ही सीखता है पर गलती मानने का हुनर हर किसीमें नहीं होता।

आजकल कुछ लेखक पत्र-पत्रिकाओं के संपादकों से अपने साहित्यिक और गैर साहित्यिक संबंधों के बदौलत सेटिंग करके यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी किताब की समीक्षा अमुक समीक्षक ही लिखें। कई बार लेखक के कहने पर उसका खड़ा किया समीक्षक समीक्षा लिखकर दे देता है और कहता है लीजिए छपवा दीजिए आपकी बुक हीट हो जाएगी। इस तरह की समीक्षाओं का क्या प्रभाव पड़ेगा लेखक और पाठकों पर ये नहीं

सोचते। ऐसे दायित्वहीन समीक्षक हर तरह की नैतिकता को बाजु पर रखकर, लेखक को प्रेमचंद, निराला, महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम और हरिवंश राय बच्चन आदि की श्रेणी में रख देते है। फिर भले ही लेखन कितना भी गया गुज़रा क्यूँ न हो। ऐसा काम लेखक की लेखनी को क्षति पहुंचाने के साथ पाठकों के साथ भी घोर अन्याय करता है। पाठक बुक खरिदता है, पढ़ता है फिर देखता है कि किताब और समीक्षा में कोई साम्य ही नहीं है तो उसका समीक्षा और समीक्षक दोनों पर से भरोसा उठ जाता है।

साहित्यिक जगत से आलोचना लगभग ख़त्म हो गई है। आलोचना की जगह समीक्षा ने ले ली है। क्यूँकि इंसान की फ़ितरत है किसीको आलोचना सुनना पसंद नहीं और समीक्षक आलोचना करके लेखक की नज़र में बुरा बनना नहीं चाहता। क्यूँकि आलोचना करने पर खुद समीक्षक को कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है।

हिन्दी साहित्य का एक दौर वह भी था जब दिनकर जी की उर्वशी की भगवतशरण उपाध्याय द्वारा की गयी ध्वंसात्मक समीक्षा उस समय की प्रतिष्ठित पत्रिका में छपी थी और साहित्य जगत में तूफान आ गया था। उस दौर के अधिकांश रचनाकार इस समीक्षा पर बहस में शामिल हुए थे। कुछ ऐसे ही तीखी समीक्षा श्रीपतराय द्वारा लिखी गई राग दरबारी समीक्षा थी तब समीक्षाओं की एक विश्वसनीयता थी और उस पर ध्यान भी दिया जाता था। आज स्थिति यह हो गई है कि लेखक की बौद्धिकता की नहीं संबंध निभाने के लिए समीक्षा की जाती है। अच्छा-अच्छा लिखो और अच्छा-अच्छा सुनों।

समीक्षा के पतन का सबसे बड़ा कारण यही है कि समीक्षक लेखक की कमियां उजागर करने का साहस ही नहीं करते है। कहा जाता है कि साहित्य नैतिकता की आवाज है, लेकिन अब यह नैतिकता आम पाठक की दृष्टि में संदिग्ध हो चुकी है।

समीक्षकों का दायित्व होता है की लेखन के सही, गलत दोनों पहलू पर टिप्पणी करते निष्पक्ष समीक्षा करें जिससे लेखक को अपने कमज़ोर पहलू का भी ज्ञात हो। और अगर आप एक सच्चे लेखक है तो तारीफ़ के साथ-साथ आलोचना को पचाना भी सीखना चाहिए, क्योंकि आलोचना आपको और बेहतरीन लिखने के लिए प्रेरित करती है।

**भावना ठाकर %भाव%**
**(बेंगलूरु,कर्नाटक)**

## रियाली महोत्सव अंतर्गत पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन ने किया पौधारोपण

### हर घर तिरंगा अभियान में आम जन से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने हेतु की अपील

**रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे**

**बालाघाट।** हरियाली महोत्सव को लेकर विभिन्न गांवों में पौधारोपण कार्य को संपादित किया जा रहा है। हरियाली महोत्सव के अंतर्गत किरनापुर एवं लांजी काष्ठागार में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं विधायक गौरीशंकर बिसेन ने हरियाली महोत्सव के अंतर्गत लांजी में पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर बिसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सरकार जनता की सरकार है और गांवों के विकास के लिए तत्परता के साथ काम करेंगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान जी की पद चिन्हों पर चलते हुए उन्होंने भी रोज एक आम का पौधा लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में ऑक्सीजन का बहुत महत्व है, जिसका परिणाम हमको कोरोना के दौर में देखने को मिला। हम सभी पौधे लगाने के साथ ही उनकी सुरक्षा का संकल्प भी लें। उन्होंने 11 से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान में आम जन से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की और कहा कि इस अवधि में वे अपने घर तिरंगा झंडा लगाकर देश के प्रति लगाव एवं कर्त्तव्यों को प्रदर्शित करें।

### पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन ने कोटेश्वर धाम में टेका मत्था

हरियाली महोत्सव में शामिल होने लांजी पंहुचे मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन ने कोटेश्वर धाम स्थित उपज्योतिर्लिंग के दर्शन किए।

### हरियाली महोत्सव कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में किरानापुर जनपद अध्यक्ष कल्याण सिंह राणा, लांजी जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेन्द्र खोंगल, जिला पंचायत सदस्य सुश्री डाली कावरे, श्रीमती चेतना कुरहि, मीरा बाई सिंघनधुपे, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरें जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष भुवन भाऊ रहांगडाले, अजय अवसरे, बालाघाट वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक नरेन्द्र कुमार सनोडिया, वन मंडलाधिकारी अभिनव पल्लव, ग्रजेश वरकड़े, ट्रेनी डीएफओ श्री नित्यानंद, एसडीएम किरनापुर सुश्री निकिता सिंह मंडलोई, श्रीमती ज्योति ठाकुर, तहसीलदार सुश्री शोभाना ठाकुर, नमो नमो मोर्चा जिलाध्यक्ष पंकज चौधरी, रामकुमार राणा पुर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष किरनापुर एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी कलेक्ट्रेट में आज टीएल की बैठक आयोजित की गई

**सुनील कुमार अहिरवार पुष्पांजली टुडे**

**टीकमगढ़** कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री द्विवेदी ने सीएम हेल्पलाईन तथा टीएल के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभय सिंह ओहरिया, एसडीएम टीकमगढ़ श्री सीपी पटेल, एसडीएम बल्देवगढ़ श्री सौरभ मिश्रा, जतारा श्री संजय जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ अभिजीत सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

### महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया

**पुष्पांजली टुडे**

**बेंगलुरू** – मागड़ी रोड़ कामाक्षी पाल्या क्लस्टर सरकारी विद्यालय एवं अनुदानित विद्यालयों के लिए बसावेश्वरा नगर स्थित बीबीएमपी खेल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें 24 विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।इस कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाप की ओर से महेंद्र मुणोत को शॉल व माला पहनाकर सम्मानित किया गया ।इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक व स्टाप आदि मौजूद थे।

# अमृत महोत्सव कार्यक्रम संपन्न

**ब्यूरो पुष्पांजली टुडे**

**ग्वालियर।** सी. एम. राइज. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीडी नगर मुरार ग्वालियर द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित अतिथियों ने देश की आजादी में किए गए शहीदों के बलिदान को याद करते हुए भविष्य के सशक्त और मजबूत भारत के निर्माण के विषय में अपने विचार रखें महोत्सव में मुख्य अतिथि के रुप में प्रताप सेना प्रमुख भूपेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री रंजीत सिंह चौहान ने की कार्यक्रम का संचालन भानु शंकर बाजपेई ने किया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कारगिल युद्ध में समलित पूर्व सूबेदार श्रीकृष्ण तिवारी देवेंद्र सिंह एवं भानू चौहान वाइस प्रिंसिपल अहिबारन सिंह कुशवाह , ओम प्रभाकर चौधरी ममता शर्मा मंच पर उपस्थित थी इस अवसर पर अन्य विद्यालय की शिक्षिकाओं में दीप्ति उपाध्याय नीलम भदोरिया पूजा गुप्ता डॉक्टर सुनीता चौहान तथा बड़ी मात्रा में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे थी कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी में कुमारी सुधा भगत का विशेष सहयोग रहा

## सभी मुश्किलो एवं बाधाओं को पार कर बैरागी पं युवराज पांडे जी पहुंचे श्री निलांचल धाम जगन्नाथ पुरी किये दर्शन

**ब्यूरो चीफ अश्वनी अवस्थी**

**छत्तीसगढ़।** मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम अमलीपदर के सुप्रसिद्ध भागवतकार आचार्य श्री युवराज पांडे जी आखिर कार सभी समस्या को बाधाओं को पार कर आज श्री जगन्नाथ मंदिर पुरी पहुंचे और वहां महाप्रभु श्री जगन्नाथ मंदिर के दिव्य दर्शन किए और भगवान श्री जगन्नाथ जी से समस्त अंचल की सुख समृद्धि की कामना करते हुए वहां से भगवान लिंगराज भुवनेश्वर गये और भुतभावन भोलेनाथ के दर्शन किए बैरागी युवराज पांडे जी वहां से काकाटपुर मुलतम प्रकृति मां मंगला के दर्शन हेतु पहुंचेगे बितो दिनों काशीबह्राल उड़िसा में हुये दुर्व्यवहार पं युवराज पांडे जी के साथ हुआ जिससे पुरे क्षेत्र में महराज जी के अनुयाई एवं शिष्य आक्रोशित हुए और अंचल के सभी थानों में खद्रूक दर्ज करके दोषियों पर उचित कार्रवाई हेतू मांग किया गया है ज्ञात हो कि महराज जी समस्त श्री क्षेत्र का दर्शन करते हुए बुधवार दोपहर तक निज ग्रह ग्राम अमलीपदर श्री जगन्नाथ मंदिर अमलीपदर पहुंचेंगे ।

## बिना वाहन के मिल रहा है करोड़ो रूपये का भाड़ा। मामला जनपद पंचायत विजयपुर का

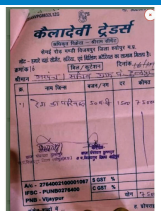


अनिल कुशवाह प्रभारी म.प्र.
पुष्पांजलि टुडे

श्योपुर -जिले की विजयपुर जनपद पंचायत में शासकीय नियमों के विरुद्ध करोड़ों रूपये के बिलों का भुगतान अनाधिकृत व्यक्तियों को कर शासकीय धन का बंदरबाट किया जा रहा है ऐसा ही एक मामला परिवहन से संबधित बिलों का है। विजयपुर स्थित फर्म कैलादेवी ट्रेडर्स एस.एल. ट्रेडर्स, मित्तल ट्रेडर्स एवं मोहन लाल पुत्र शिवजीलाल के संचालकों द्वारा करोड़ो रूपये के परिवहन के बिल जनपद पंचायत विजयपुर में प्रस्तुत कर भुगतान प्राप्त किया है। इन बिलों में किसी वाहन का उल्लेख नही है ना ही वाहन का रजिट्रेशन नम्बर दर्ज है। मजे की बात यह है कि कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी श्योपुर द्वारा अपने पत्र क्रमांक 1416 श्योपुर दिनांक 27.05.2022 में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि विजयपुर नगर में एवं जनपद पंचायत विजयपुर क्षेत्र के अंतर्गत किराये पर चलाने हेतु एक भी मालवाहक वाहन पंजीकृत नही है तथा उपरोक्त फर्म संचालकों के पास कोई भी वाहन माल ढोने हेतु अधिकृत नही है बिना वाहन के ही करोड़ो रूपये के बिलों का भुगतान जनपद पंचायत विजयपुर के अधिकारियों द्वारा किस प्रकार किया जा रहा है यह गंभीर जाँच का विषय है। मैने इस संबंध में जनपद पंचायत विजयपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्योपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कलेक्टर जिला श्योपुर आयुक्त चंबल संभाग आयुक्त परिवहन विभाग ग्वालियर एवं कई वरिष्ठ अधिकारियों को आवेदन पत्र भेजकर इस संबंध में जाँच कर कार्यवाही की मांग की थी किन्तु किसी भी अधिकारी ने इस संबंध में अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नही की है। इससे ऐसे संकेत मिल रहे है कि भ्रष्टाचार में सभी लोग सहयोग प्रदान कर रहे है तथा एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास कर रहे है।

# खूंटा गाड़ो जमीन जोतो आंदोलन का आगाज, संगठन संयोजक ने तत्कालीन कलेक्टर पर लगाए आरोप

**गौरीशंकर कुशवाह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे**

**पन्ना।** पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज जिले के शाहनगर विकास खंड अंतर्गत सनकुटी पिपारिया में आदिवासी वनवासी क्रान्ति सेना बुंदेलखंड ईकाई जिला पन्ना द्वारा खूंटा गाड़ो जमीन जोतो आंदोलन का शुभारंभ किया गया द्य जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में आदिवासी वनवासी क्रान्ति सेना के संगठन संयोजक केपी सिंह बुंदेला, विशिष्ट अतिथि कमलनाथ विचार सद्भावना मंच के प्रदेश महामंत्री एवं पन्ना जिला अध्यक्ष डा. सरफराज फारूकी, आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र द्विवेदी,

आदिवासी वनवासी क्रांति सेना के शाहनगर ब्लॉक अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह बुंदेला, जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी आरपी वर्मन साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने की द्य अतिथियों के स्वागत उपरान्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अथिति श्री बुंदेला कहा की सन 2012 में तत्कालीन कलेक्टर पन्ना द्वारा हजारों की संख्या में वन अधिकार के दावा आवेदन खारिज किए थे जिसकी शिकायत संगठन द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजय सिंह से दिल्ली में लिखित में की थी जिसकी जांच डिप्टी कमिश्नर भोपाल अजका विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर की गई थी द्य जिसकी जांच रिपोर्ट में तत्कालीन पन्ना कलेक्टर को दोष सिद्ध पाया गया था द्य श्री बुंदेला ने कहा की जब कलेक्टर को ही वनाधिकार कानून नही मालूम तो आदिवासी वनवासी को न्याय कहा से मिलेगा द्य खूंटा गाड़ो जमीन जोतो आंदोलन की शुरुवात संगठन पदाधिकारियों द्वारा वन भूमि में हल चलाकर की गई द्य इसके बाद कल्दा चौकी प्रभारी को कलेक्टर पन्ना के नाम ज्ञापन सौंपा गया कार्यक्रम को डा. सरफराज फारूकी, सुरेंद्र सिंह, पहलवान सिंह ने भी संबोधित किया द्य कार्यक्रम के अंत में आयोजक धीरज सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया द्य इस दौरान मलखान सिंह, राम प्रकाश शाह, महेंद्रसिंह, कोमल सिंह, धूप सिंह, भूरे सिंह सहित सकड़ों आदिवासी महिला पुरुष उपस्थित रहे द्य चौकी प्रभारी कल्दा सहायक उप निरीक्षक एन आर पांडे हमराही पुलिस स्टाप फोरेस्ट विभाग के साथ मौके पर उपस्थित रहे ।

## मॉ तुझे प्रणाम योजना में बालाघाट की युवतियों का होगा चयन

### 07 विकासखंड की युवतियों से आवेदन आमंत्रित

**रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट**

म.प्र.शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं को भारत की अतंराष्ट्रीय सीमा से अवगत कराने के लिये ''माँ तुझे प्रणाम योजना'' के अंतर्गत युवाओं को भारत की अतंराष्ट्रीय सीमा पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत कराया जावेगा साथ ही राष्ट्र के प्रति समपर्ण, नेतृत्व विकास पर मार्गदर्शन दिया जावेगा। योजना के अंतर्गत जिले के 07 विकासखण्ड बैहर, बिरसा, परसवाडा, लांजी, बालाघाट, लालबर्रा, वारासिवनी विकासखण्ड से 5 युवतियों का चयन किया जाना है। जबकि खैरलांजी, कंटगी तथा किरनापुर की युवतियों का चयन पूर्व में ही किया जा चुका है। इसके लिए केवल उपरोक्त 07 विकासखण्ड की युवतियो के आवेदन आमंत्रित किये गये है। आवेदक की आयु 15 वर्ष से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिये। चयनित युवतियों के दल को पृथक-पृथक दल में भारत की अतंराष्ट्रीय सीमाओं में एक्सपोजर विजिट हेतु भेजा जायेगा। आवेदक एन.सी.सी., एन.एस.एस., खिलाड़ी, मेधावी छात्र, स्काउट गाईड से संबंध रखता हो । आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट 222.स्नह्य42ह्लश्च.ह्श1.द्बठ्ठ से डाउनलोड करने के अलावा ही कार्यालय, जिला खेल और युवा कल्याण मुलना स्टेडियम बालाघाट से भी प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र 10 अगस्त 2022 तक कार्यालय में जमा किया जाना अनिवार्य है। पूर्व में भ्रमण पर गयी युवतियॉ आवेदन न करे। आवेदक को चिकित्सा प्रमाण पत्र/फिटनेस प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

## कबीर पुरस्कार योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 हेतु प्रविष्टि आमंत्रित

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

**शिवपुरी**-मप्र के हाथकरघा क्षेत्र के उत्कृष्ट एवं परम्परागत संस्कृति के संरक्षण करने वाले बुनकरों को प्रोत्साहित करने हेतु कबीर बुनकर प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 हेतु बुनकरों द्वारा स्वयं उत्पादित प्रविष्टि आमंत्रित की जाती है बुनकर व्दारा प्रस्तुत की जाने वाली प्रविष्टियों का लूम पर बुनाई करते हुए फोटो तथा बुनकर का आईडी प्रमाण पत्र तथा सत्यापित मूल निवासी प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है।जिला हाथकरघा कार्यालय के सहायक संचालक ने बताया कि इस योजनान्तर्गत प्रथम पुरस्कार राशि एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार राशि पचास हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार राशि रुपये पच्चीस हजार का प्रावधान है। अधिक से अधिक स्वयं द्वारा उत्पादित प्रविष्टियां निर्धारित प्रारूप पर सहपत्रों सहित 25 अगस्त 2022 तक जिला हाथकरघा कार्यालय शिवपुरी पोहरी रोड शिवपुरी में जमा कराएं।

## नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों ने किया शपथ ग्रहण

# दलगत भावना से ऊपर उठकर विकास और प्रगति के काम करेंगे : डॉ. शोभा सिकरवार

ग्वालियर। नगर निगम की महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने शपथ ग्रहण करने के बाद पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुये कहा कि मैनें चुनाव के दौरान कहा था कि मैं जनसेवा के लिए संकल्पित हूँ और क्षेत्र का विकास व प्रगति मेरा लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को लेकर हम काम करेंगें। उन्होंने कहा कि हम दलगत भावना से ऊपर उठकर सभी 66 वार्डो के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों और जन भावनाओं के अनुसार विकास कार्यो को गति प्रदान करेंगें। वचन पत्र के सवाल पर महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने वचन पत्र में जो संकल्प जनहित को ध्यान में रखकर लिये हैं, हम उन्हे पूरा करने के लिये वचन वद्ध हैं। जनता जनार्धन ने हमें आर्शीवाद दिया हैं और पार्टी अध्यक्ष कमलनाथ जी और कांग्रेस के जेष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ताओ ने जो विश्?वास मुझ पर व्यक्त किया हैं, उस पर हम विकास कार्यो को गति देकर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। यह पूछनें पर कि जनता के समय पर काम न होने की शिकायतें बहुत रहती है, इस पर उन्होंने कहा कि मैं जनता से आव्हान करती हूँ कि अगर कहीं कोई किसी कार्य में कोई अधिकारी, कर्मचारी परेशान करते हैं, तो मुझे अवगत करायें तथा आपकी शिकायतों को सुनने के लिये हम एक टोल फ्री नम्बर जल्दी ही जारी करेंगे। परिषद में सभापति के सवाल पर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठेठ नेतागण इस कार्य को देख रहे है और सभापति कांग्रेस पार्टी का ही बनेगा। उन्होंने अपनी प्राथमिकता के सवाल पर कहा कि हम गार्वेज शुल्क कम करेंगे और तीन साल के पहले के बकाया जलकर को माफ करेंगे और जलकर कम करने के लिये परिषद में हम संशोधन प्रस्ताव लायेगें, इसी तरह सम्पतिकर की विसंगतियों को दूर करेंगे।

## पौधरोपण का महाअभियान 3 अगस्त को

### शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में रोपे जायेंगे पौधे

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण के लिये पौधरोपण महाअभियान 3 अगस्त को ग्वालियर-चंबल संभाग के प्रत्येक जिले में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में चलाया जायेगा। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर वृक्षारोपण के लिये उक्त समारोह आयोजित किया जायेगा। इसके साथ ही प्रत्येक वार्ड और हर पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। वृक्षारोपण के इस महाअभियान से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ऑनलाइन जुड़ेंगे और अपने विचार भी रखेंगे।

संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने गूगल मीट के माध्यम से पौधरोपण महाअभियान एवं हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में गूगल मीट के माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि ग्वालियर संभाग के प्रत्येक जिले में पौधरोपण का महाअभियान 3 अगस्त को विशेष रूप से मनाया जाए। जिला स्तर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण का कार्य किया जाए। इसके लिए अभी से पंजीयन का कार्य हो तथा 3 अगस्त को वृक्षारोपण करते हुए फोटो भी वायुदूत एप पर लोड किए जाएं।

संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा है कि प्रत्येक पंचायत में 75 - 75 तथा प्रत्येक वार्ड स्तर पर भी 75 - 75 पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए। वृक्षारोपण के कार्य में समाज के सभी वर्गो को जोड़कर कार्य को यह भी सुनिश्चित किया जाए।

### हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े जन-जन

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने हर घर तिरंगा अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी शान, सम्मान और राष्ट्र भक्ति का प्रतीक है। देश भक्ति के इस महाअभियान में हर घर पर तिरंगा लहराए, इसके लिये जिला कलेक्टर सभी प्रबंध समय रहते पूर्ण करें। जन जागरूकता के लिये अभियान चलाकर समाज के हर नागरिक को इस अभियान से जोड़ा जाए।

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने यह भी कहा है कि सभी जिला कलेक्टर अपने - अपने जिला मुख्यालय पर समाज के सभी वर्गो को आमंत्रित कर एक बैठक आयोजित करें, जिसमें वृक्षारोपण एवं हर घर तिरंगा अभियान की चर्चा कर समाज को जोड़ने का कार्य किया जाए।

## सीआरपीएफ में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। ग्रुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्वालियर में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल व पुलिस उप महानिरीक्षक श्री प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर जवानों ने कैम्प परिसर में पौधे लगाए और उनके संरक्षण करने का संकल्प लिया। प्रत्येक जवान ने 10 - 10 पौधे लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। साथ ही 6 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया।

इस मौके पर कमांडेंट श्री ओमकार नाथ सिंह, श्री गुलाब प्रसाद व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## ग्वालियर पुलिस ने सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को दी भावभीनीविदाई

ग्वालियर। पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा विदाई दी गई। इस मौके पर उप.पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री उमेष द्विवेदी के साथ समस्त कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस कन्ट्रोल रूम ग्वालियर सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिये विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को स्मृतिचिन्ह, शाल व श्रीफल देकर विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों से नौकरी के दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर एसपी ग्वालियर ने सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों से उनके भविष्य के कार्यकलापों के बारे में जाना।

## कार्यक्रम-लोहमंडी जैन मंदिर की महिलाओ ने एकसूत्र में हरियाली उत्सव मनाया

### सावन का महिना पवन करें शोर जियरा रे झूमे ऐसे वन में नाचे मोर..।

ग्वालियर लोहमंडी दिगंबर जैन मंदिर में जैन एकता परिषद महिलाओ ने सोमवार को हरियाली तीज उत्सव अन्य गेम्स खेल के मनाया।

ग्वालियर-श्रावण के हरियाली तीज उत्सव में हरे रंग के परिधान थीम साड़ियों से श्रृगांरित महिलाओ ने न केवल सावन के गीत गाये बल्कि नये पुराने नगमों गीतो को गुनगुनाते हुई डॉस के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। यह नजार सोमवार कों उप ग्वालियर स्थित गोकुलचंद जैन मंदिर के अंगान में देखने को मिला। महिला ने काले चश्म पहनकर व हाथों में छाता लेकर म्यूजिक की धुन पर रैंप वॉक किया। यह मौक था जैन महिला एकता परिषद शाखा किलागेट की महिलाओ एकसूत्र मे रहने के साथ हरियाली तीज उत्सव कार्यकम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जैन एकता परिषद की मनोरम जैन, बबीता जैन, डाली जैन, मिनी जैन डिम्पल जैन, अरुण जैन ने सभी सखियांओ का तिलक लगाकर स्वागत किया।

**सावन के गीतो पर ढोलक की थाप पर थिरके कदम**

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सावन का महिना पवन करें शोर जियरा रें झूमे ऐसे वन में नाचे मोंर.... बारसों रें मेघा मेघा रें बोस रें बोस बारिस का कोस है.....झूला तो पड़ गये अनमुआ की डाली पे.... सावन के रचे बसे गीतो के साथ महिलाओं ने झूम के किया नृत्य।

**महिलाओं ने हरियाली पर इंज्योज करते हुए खेले विभिन्न गेम्स**

सावन हरियाली तीज उत्सव में महिलाओं ने सावन थीम पर धार्मिक हाउजी, सरप्राइज गेम, पेपर गेम, कैप गेम खेल कर साथ ही मनोरंजन गेम, सावन के गीतो पर नृत्य जमकर किया। सभी को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया।

## मतदाता सूची से लिंक होंगे आधार नम्बर

### कलेक्टर श्री सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बैठक लेकर बताई प्रक्रिया

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में भी हर मतदाता के आधार नम्बर को मतदाता सूची से लिंक (निर्वाचक नामावली के डेटाबेस में दर्ज करना) करने का काम एक अगस्त से शुरू हो गया है। सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि इस काम में सहभागी बनें, जिससे शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार हो सके। साथ ही किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नहीं। इस आशय का आग्रह कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में किया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम से संबंधित अन्य नियमों में किए गए बदलाव की जानकारी भी बैठक में विस्तारपूर्वक दी।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि मतदाता सूची से आधार लिंक करने का काम आगामी 31 दिसम्बर तक पूर्ण किया जाना है। यदि किसी मतदाता के पास आधारकार्ड नहीं है तो वह निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकता है। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तिकरण की कार्यवाही भी शुरू होने जा रही है। राजनैतिक दल मतदान केन्द्रों के संबंध में भी अपना सुझाव अवश्य दें, जिससे मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखकर मतदान केन्द्रों को अंतिम रूप दिया जा सके।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में यह भी जानकारी दी कि कोई भी मतदाता अपना नाम जुड़वाने व आधार लिंक के लिये ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं। साथ ही बीएलओ द्वारा भी घर-घर जाकर ऑफलाइन भी फार्म भराए जायेंगे।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री एच बी शर्मा, जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सर्वश्री कमल माखीजानी, आनंद शर्मा व श्री चंद्रप्रकाश गुप्ता सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अन्य प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

### मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटाने व संशोधन के लिए ये फॉर्म भरने होंगे

मतदाताओं के नाम जोड़ने, नाम हटाने, नाम में संशोधन करने एवं एक स्थान से दूसरे स्थान पर नाम का स्थानांतरण करने में जिन फार्मों की आवश्यकता होती थी, उनमें भी संशोधन किया गया है। नवीन मतदाता के लिये प्रारूप-6, आधार संग्रहण के लिये प्रारूप-6 (ख), किसी मतदाता का नाम हटाने अथवा जोड़ने के विरूद्ध प्रारूप-7 एवं एपिक कार्ड बदलने, दिव्यांगजन चिन्हांकित करने, निवास स्थानांतरण तथा एक से अन्य विधानसभा में नाम स्थानांतरण के लिये प्रारूप-8 निर्धारित किया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### खेल पुरस्कारों के लिए 16 अगस्त तक आवेदन पत्र आमंत्रित

ग्वालियर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा नवीन पुरस्कार नियम 2022 के अनुसार विगत पाँच वर्ष में अधिक खेल उपलब्धियों के आधार पर खेल पुरस्कार दिए जाने हेतु आवेदन पत्र 16 अगस्त तक आमंत्रित किए गए हैं। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार साहसिक खेल (समुद्र, जमीन एवं वायु आधारित) के लिये भी विक्रम एवं एकलव्य पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार हेतु पात्रता, पुरस्कार की राशि व अन्य शर्त विभागीय वेबसाइट www.dsyw.mp.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन विभागीय वेबसाइट द्वारा दी गई लिंक https://anudan.dsywmp.gov.in से या प्ले स्टोर से Anudan एप डाउनलोड कर भी आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात आवेदन की प्रति जिस पर पंजीयन क्रमांक अंकित हो, के साथ खेल प्रमाण-पत्र एवं अन्य अभिलेखों की छायाप्रति जिला खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय / संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण भोपाल में प्रस्तुत की जाना जरूरी है। खेल पुरस्कार के लिये आवेदन पत्र 16 अगस्त 2022 तक आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

### निगम के मदाखलत अमले ने रोड से हटाये हाथ ठेले व दुकान के बाहर रखे सामान को किया जप्त

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा सुगम यातायात के लिए पूर्व विधानसभा क्षेत्र में अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया, रोड पर खडे हुए हाथ ठेले एव दुकानो के बाहर रखे सामान को हटाया गया और सडक पर यातायात सुगम कराया गया। अभियान के दौरान मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चैहान सहित अन्य अमला मौजूद रहा। मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चैहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व विधानसभा में सदर बाजार एवं सिंहपुर रोड मुरार क्षेत्र में मदाखलत अमले एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान दुकानों के बाहर अस्थाई अतिक्रमण कर सामान रखने पर सामान जप्त किया गया एवं हिदायत दी गई ।इसके साथ साथ हाथठेले वालों को भी मुख्य मार्ग से होकर्स जोन में भेजा गया। सिंगल यूज प्लास्टिक को भी जप्त कर कार्यवाही की गई तथा प्रतिष्ठानों के बाहर सफाई रखने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान डीएसपी ट्रैफिक श्री विक्रम कनपुरिया, थाना प्रभारी श्री शैलेंद्र भार्गव, श्री हिमांशु तिवारी सहित मदाखलत अमला एवं पुलिस अमला उपस्थित रहा।

### कृष्णा इंटरप्राइजेज से 21 किलो सिंगल यूज पॉलीथिन जप्त कर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन, भण्डारण, परिवहन, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध होने पर निर्माता, स्टॉकिस्ट, रिटेलर तथा विक्रेताओं पर निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार नगर निगम सीमा क्षेत्र में निरंतर छापामार कार्यवाही की जाकर संबंधितों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता के निर्देशन में स्वास्थ्य अधिकारी श्री श्रीष्म पमनानी के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 41 चावड़ी बाजार ने कृष्णा इंटरप्राइजेज पर 21 किलो 200 ग्राम सिंगल यूज पॉलीथिन जप्त की गई। साथ ही 2000 रूपये का जुर्माना किया गया। कार्रवाई में साथ में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री अशोक उपस्थित थे।

### धर्म के संस्कार मजबूत करना है तो अंतर्मन में डुबकी लगानी होगी-मुनिश्री

**04 अगस्त को सबसे बड़ा जैन तीर्थ सम्मेदशिखर की रचना कर चढ़ाएंगे निर्वाण लड्डू**

ग्वालियर। धर्म की नींव मजबूत करों मकान बनाने से पहले व्यक्ति नींव मजबूत करता है क्योंकि उसे पता है जितनी नींव मजबूत मकान उतना ही मजबूत बनता है। धर्म में भी ऐसा ही है। धर्म का संस्कार आत्मा में मजबूत रखना है, कितने भी प्रलोभन आए मगर मन हमारा विचलित ना हो जाय अतः जीवन में धर्म की नींव को मजबूत करना होगा। नींव बनाने हेतु जमीन के अंदर जाना पड़ता है खड्डा करना पड़ता है। वैसे ही धर्म के संस्कार मजबूत करना है तो हमे भी आत्मा के भीतर जाना होगा अंतंमन में डूबकी लगानी होगी। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय वर्षयोग समिति एवं सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर के तत्वावधान में 48 दिवसीय श्री भक्तामर महामंडल विधान के छठवें दिन सोमवार को माधवगंज स्थित चतुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा किसंसार क्षेत्र में हमारा जीतना पुरुषार्थ है उतना पुरुषार्थ क्या धर्म क्षेत्र में है जीवन में धर्म की प्रधानता ज्यादा कि संसार की संसार का राग इतना है कि धर्म के लिए हमे समय ही नहीं मिलता। वर्तमान जीवन तो हमारा इतना कठोर है कि हम पैसा के खातिर किसी का दिल तोड़ने में भी देरी नहीं करते संपत्ति का राग इतना है कि हम दूसरे जीवों का सोचते ही नहीं परिवार वालों को भी नहीं छोड़ते। वर्तमान में सब की मान्यता है कि धर्मी के वहां दुख धर्म का फल क्या फिर पर हम यह भूल जाते हैं कि दुख आने के समय मन में प्रसन्नता धर्म से ही रहती है। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक मनोज जैन कालेज व पदाधिकारियो ने बाहर से आए समाजजनो का सम्मान किया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विनय सागर महाराज ने मंत्र का उच्चारण कर प्रथम कलश पंकज जैन के साथ इंद्रो ने भक्ति की जलधरा से भगवान आदिनाथ का अभिषेक जयकारों के साथ किए। मुनिश्री ने मंत्रो का उच्चारण कर शांतिधारा राजेश जैन लाला मित्र मंडल एवं विनोद जैन परिवार ने की।

### डबरा सिटी पुलिस ने अंधेकत्लका पर्दाफाष कर हत्या के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

**जमीनी विवाद व रूपयों के लेनदेन पर से की गई थी हत्या**

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी,भापुसेद्वारा दिनांक 24.07.22 की रात थाना डबरा सिटी क्षेत्र में हुए अंधेकत्लको गंभीरता से लेते हुए अति. पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण श्री जयराज कुबेर को थाना बल की टीम बनाकर प्रकरण का शीघ्र खुलासाकरने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देष पर अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा उक्त अंधेकत्लकी बारदात का खुलासा करने के लिये थाना डबरा सिटी की पुलिस टीम को लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन में एसडीओपी डबरा श्री विवेक शर्मा के मार्गदर्षन एवं नेतृत्व में डबरा शहर में दिनांक 24.07.2022 की दरमियानी रात को हुए अंधेकत्ल का खुलासा करने हेतु मुखबिर तंत्र को विकसित किया गया। दौराने विवेचना ज्ञात हुआ कि मृतक मनीरामधाकड़, ग्राम पटेवरी थाना बैराढ जिला शिवपुरीका रहने वाला है और उसका गांव के ही एक युवक से जमीनीएवं रूपयों के लेनदेनके लेकर विवाद चल रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा उक्त हत्याकाण्ड के आरोपी की तलाष मे कई जगह दबिस दी गई। दिनांक 01.08.2022 को मुखबिर की सुचना पर से पुलिस टीम द्वारा उक्त हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसके द्वारा उक्त हत्या की बारदात अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर करना स्वीकार किया गया। पकड़े गये आरोपी की निषादेही पर पुलिस टीम द्वारा हत्या में प्रयुक्त फसा बरामद कर लिया गया है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि मृतक से उसका जमीन तथा रुपयों के लेनदेन के लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। दिनांक 24.07.2022 की रात्रि में वह अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर मृतक को अपनी फेर्डफ्रेगोगाड़ीमें बिठाकर डबरा लाया, जहां रात्रि में अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर फसामारकर मृतक की हत्या कर शव को शहाई पुल के पास डबरा में फेंककरहम लोग मौके से फरार हो गये थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478